

डॉ. एंथनी जे. टॉमसिनो, यीशु से पहले यहूदी धर्म, सत्र 11, मृत सागर स्कॉल

© 2024 टोनी टॉमसिनो और टेड हिल्लेब्रांट

यह डॉ. एंथनी टॉमसिनो और यीशु से पहले यहूदी धर्म पर उनकी शिक्षा है। यह सत्र 11 है, मृत सागर स्कॉल।

इसलिए, मृत सागर स्कॉल की खोज को 20वीं सदी की सबसे बड़ी पुरातात्विक खोजों में से एक के रूप में और शायद किसी भी सदी की सबसे बड़ी खोजों में से एक के रूप में चर्चा में लाया गया है।

आप जानते हैं कि किसी पाठ को अक्षुण्ण पाना पुरातत्व के पवित्र प्याले की तरह है। यह एक बहुत ही उल्लेखनीय बात है क्योंकि अब आपके पास कुछ ऐसा है जो प्राचीन है। आप देख सकते हैं कि यह कैसा था, पुराने दिनों में यह कैसा था। आप इसे समझ सकते हैं, उम्मीद है कि आप इसे पढ़ सकते हैं, और फिर आप उन विचारों को चर्चा और विवादों के लिए प्रस्तुत कर सकते हैं जो वे पैदा कर सकते हैं क्योंकि अब हमें यीशु के रहने से ठीक पहले की दुनिया में एक झलक मिल गई है और मृत सागर स्कॉल इस समय अवधि में कई उल्लेखनीय अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं।

यह वास्तव में दिलचस्प है क्योंकि जब हम मृत सागर स्कॉल के बारे में सोचते हैं, और मुझे पता है कि एक बहुत प्रसिद्ध बाइबिल विद्वान से पूछा गया था, अब से लगभग 20 साल पहले, उन्हें क्या लगा कि मृत सागर स्कॉल ने बाइबिल के अध्ययन में योगदान दिया था और उन्होंने एक मिनट के लिए सोचा, और उन्होंने कहा, मैं वास्तव में कुछ भी नहीं सोच सकता। और हममें से जिन्होंने स्कॉल का व्यापक रूप से अध्ययन किया है, वे गंभीरता से गए? गंभीरता से? लेकिन जिस तरह से मृत सागर स्कॉल ने न केवल बाइबिल बल्कि प्रारंभिक यहूदी धर्म के हमारे अध्ययन को प्रभावित किया है, उसे वास्तव में क्रांतिकारी ही कहा जा सकता है क्योंकि लगभग हर चीज जो हम देखते हैं, वे सभी विचार जो हम उन ग्रंथों में देखते हैं जिनके बारे में हम पहले से जानते थे, जैसे कि 1 और 2 मैकाबीज़ और कुछ अन्य अपोकलिफ़ल ग्रंथ, 1 एनोच और अन्य पुस्तकों जैसे कुछ छद्मलेख, इन सभी विचारों को अब इन बहुत प्राचीन पांडुलिपियों के लेंस के माध्यम से देखा जा सकता है जो हमारे पास पहले नहीं थे। मृत सागर स्कॉल की खोज से पहले, हमारे पास जो सबसे प्रारंभिक पांडुलिपियाँ थीं, जैसे कि प्रथम हनोक की पुस्तक, वे मध्य युग से आई थीं।

कई अन्य ग्रंथों के साथ भी यही बात है। जुबलीज़ की पुस्तक। जुबलीज़ डेड सी स्कॉल संप्रदाय का एक बहुत ही महत्वपूर्ण ग्रंथ था। यह प्रारंभिक ईसाई धर्म के कुछ वर्गों में बहुत महत्वपूर्ण था। उदाहरण के लिए, इसे इथियोपिक चर्च द्वारा संरक्षित किया गया था, जो इसे धर्मग्रंथ मानता था। लेकिन जुबलीज़ की पुस्तक की सबसे पुरानी पांडुलिपि, ओह, लगभग 1200 ई. से आई थी।

इसलिए, इन ग्रंथों को प्राप्त करना और उन्हें ढूँढ़ना तथा उन्हें देखने में सक्षम होना उन आलोचकों में से कुछ को चुप करा देता है जो चाहते हैं कि हम यह मान लें कि पूरी बाइबल पिछले मंगलवार या कुछ इसी तरह लिखी गई थी। लेकिन, जाहिर है कि यह अतिशयोक्ति है, लेकिन हाँ, वहाँ ऐसे

लोग भी थे जो कहते थे कि भविष्यवक्ताओं की पुस्तकें वास्तव में अंतर-नियम अवधि के अंत तक नहीं लिखी गई थीं। ऐसे लोग थे जिन्होंने दावा किया कि न्यू टेस्टामेंट धर्म यहूदी से ज़्यादा ग्रीको-रोमन था।

इस तरह की आलोचनाओं को दबा दिया गया है। इन दिनों, हम हर चीज को देख रहे हैं और हर चीज, इन सभी सिद्धांतों को डेड सी स्क्रॉल के साक्ष्य के आधार पर परख रहे हैं। कभी-कभी, डेड सी स्क्रॉल में हमारे तर्कों के लिए बहुत ही प्रासंगिक साक्ष्य होते हैं।

कभी-कभी, शायद इतना भी नहीं। लेकिन किसी भी मामले में, कोई भी व्यक्ति मृत सागर स्क्रॉल में क्या है, इसकी अच्छी जानकारी के बिना प्रारंभिक यहूदी धर्म और यीशु के आस-पास के समय के बारे में कुछ भी नहीं कह सकता या कर सकता है। तो, आइए बात करते हैं कि ये चीजें कहां से आईं।

खैर, आप जानते हैं, स्क्रॉल, अगर आप लगभग 20 साल पहले के हैं, तो आप जानते हैं कि उन दिनों डेड सी स्क्रॉल वाकई बड़ी खबर थी। और टाइम मैगज़ीन का कवर, हाँ, उन्होंने टाइम का कवर बनाया। और यह था, आप जानते हैं, मुझे लगता है, मुझे नहीं पता कि मैं तारीख देख सकता हूँ या नहीं, नहीं मैं नहीं देख सकता, लेकिन मुझे पूरा यकीन है कि यह लगभग 1997 की बात है।

और यहाँ हमारे पास वीकली वर्ल्ड न्यूज़ है। मुझे नहीं लगता कि इस पर भी कोई तारीख है, लेकिन फिर भी उन्होंने वीकली वर्ल्ड न्यूज़ कब प्रकाशित किया? वैसे भी, वीकली वर्ल्ड न्यूज़ में कहा गया है कि शीर्ष धार्मिक विद्वानों ने डेड सी स्क्रॉल की नई भविष्यवाणियों का खुलासा किया है, जिसमें यह भी शामिल है कि सद्दाम हुसैन आत्मसमर्पण करेंगे और न्यू जर्सी चले जाएंगे। एक नया मसीहा मृतकों को जीवित करता है, है न? और डेड सी स्क्रॉल से और भी बहुत कुछ।

मुझे एक छोटा सा कार्टून याद है जिसे मैंने कई साल पहले काटा था और अपनी एक फाइल में चिपका दिया था जिसमें कुछ लोग कॉफी पीते हुए बैठे हैं और कुछ खाने-पीने की चीजें खा रहे हैं, और पत्नी कह रही है, किसने कभी सोचा होगा कि डेड सी स्क्रॉल में इतनी बढ़िया ब्राउनी रेसिपी मिलेगी? तो वैसे भी, स्क्रॉल ने निश्चित रूप से लोगों और हमारी कल्पनाओं का ध्यान खींचा है, लेकिन डेड सी स्क्रॉल की खोज, खैर, कहानी, आज भी बहुत प्रसिद्ध है।

पहली खोज 1947 में हुई थी और जिस तरह से कहानी बताई गई थी, जो लगभग निश्चित रूप से सच नहीं है, लेकिन हम एक मिनट में उस पर आएंगे, लेकिन जिस तरह से कहानी बताई गई थी वह यह है कि मृत सागर के पास के क्षेत्र में जहां ये गुफाएं स्थित हैं, एक बेडौइन चरवाहा रहता है और उसकी एक भेड़ इस पहाड़ी की तरफ चढ़ रही थी और इसलिए अपनी भेड़ों को भगाने के लिए, उसने एक पत्थर उठाया और उसे अपनी भेड़ों पर फेंका और जाहिर तौर पर भेड़ झुक गई और पत्थर भेड़ के सिर के ऊपर से गुफा में चला गया और उसने मिट्टी के बर्तन टूटने की आवाज सुनी और इसलिए युवक अपने एक दोस्त के साथ वापस आया और वे दोनों ऊपर चढ़ गए और इस पहाड़ी की तरफ चढ़ गए जहां वे इस गुफा में जा सकते थे और जब वे अंदर आए तो उन्होंने पाया, वहां गुफा है, अब, पहली बात तो यह है कि उन्होंने सोचा, वाह, हमें जार मिल गए, और उन्होंने सोचा, आप जानते हैं, बढ़िया, वे उन्हें कुछ पागल अमेरिकी पर्यटकों को बेच सकते हैं,

लेकिन फिर उन्हें पता चला कि जार के अंदर वास्तव में स्कॉल थे और अब उन्हें वास्तव में कुछ मिल गया क्योंकि जार अच्छे होते हैं और आप जार को प्राचीन वस्तु संग्राहकों को बेच सकते हैं, लेकिन दूसरी ओर स्कॉल उल्लेखनीय थे और उन दिनों किसी भी तरह के स्थान पर स्कॉल को खोजना, अच्छा, यह सोना खोजने जैसा था।

अब, मैं क्यों कहता हूँ कि यह कहानी शायद सच नहीं है, इसका कारण यह है कि हम जानते हैं कि बेडौइन लोग अक्सर उन गुफाओं में कुछ भी खोजते थे जिसे वे पुरावशेषों के बाज़ार में बेच सकते थे, लेकिन यह अवैध था। इसलिए, ये लोग यह स्वीकार करने वाले नहीं थे कि वे उस गुफा में खजाने की तलाश में गए थे जिसे वे चुरा कर बेच सकते थे, लेकिन इसके बजाय वे चट्टान और भेड़ और उस तरह की सभी अच्छी चीज़ों के बारे में एक विस्तृत कहानी लेकर आए, लेकिन इस गुफा में उन्हें छह स्कॉल मिले और उनमें से सबसे शानदार और सबसे अच्छी तरह से संरक्षित ग्रेट इसायाह स्कॉल, इसायाह की पुस्तक का स्कॉल है। यदि आप आज इज़राइल जाते हैं और आप पुस्तक के मंदिर में जाते हैं जहाँ कई मृत सागर स्कॉल संरक्षित और रखे गए हैं, तो आप पाएंगे कि यह ग्रेट इसायाह स्कॉल खुला हुआ है और इमारत के चारों ओर घूमता है।

यह इमारत उल्लेखनीय है। इसका आकार टोरा स्कॉल के अंत जैसा है और इसलिए जब आप अंदर जाते हैं तो यह एक बड़ी गोलाकार इमारत है और इमारत के बाहर चारों ओर यशायाह स्कॉल खुला हुआ है और वहाँ प्रदर्शित है। बिल्कुल, स्वचालित रूप से, महान खोज और सबसे पहली चीज़ जो घोषित की गई वह यह है कि हमने यशायाह की पुस्तक की अब तक की सबसे पुरानी प्रति खोजी है।

यह एक उल्लेखनीय बात थी, और वास्तव में यशायाह की पुस्तक की इतनी पुरानी प्रति खोजने के बारे में शुरू में यही मुख्य उत्साह था। अब, यशायाह की पुस्तक के अलावा, कई अन्य स्कॉल और एक और काफी लंबा स्कॉल भी था, जिसे सामुदायिक नियम या अनुशासन की पुस्तिका के रूप में जाना जाता है। समुदाय का आदेश इस पाठ के पहले कुछ शब्दों की तरह है, लेकिन सामुदायिक नियम को काफी पहले ही एक उपनाम मिल गया था क्योंकि मैं खुद एक मेथोडिस्ट हूँ, यह मेरे लिए मनोरंजक है लेकिन शुरुआती लोगों में से एक जिसने इस स्कॉल को देखा और इसका अध्ययन किया और इसका अनुवाद किया, उसने कहा कि यह उसे यूनाइटेड मेथोडिस्ट बुक ऑफ डिसिप्लिन की याद दिलाता है और इस तरह इसे अनुशासन की पुस्तिका के रूप में जाना जाने लगा।

अब, अनुशासन पुस्तिका से बहुत परिचित होने के कारण, मैं समानता देख सकता हूँ। मूलतः, यह पाठ एक सांप्रदायिक समुदाय में जीवन के लिए एक आदेश है, जाहिर है कि एक समुदाय जो किसी तरह के परिसर में एक साथ रहता था।

वे यह मान कर चलते हैं कि यहाँ हर कोई एक साथ खाना खा रहा है, कि वे खुद को अनुशासन में रख रहे हैं, उनके पास नियम हैं कि कौन बोल सकता है और रात के खाने के समय कब बोल सकता है और क्या वे रात के खाने के समय बोल सकते हैं, थूकना, कब थूकना है और कब नहीं, और इस तरह के अन्य नियम जो इस समुदाय में रहने वाले लोगों के पूरे जीवन को व्यवस्थित

करेंगे। तो, यह सामुदायिक नियम था, और इसे काफी जल्दी समझ लिया गया। जैसा कि आप देख सकते हैं, यह वास्तव में अच्छी स्थिति में है, और इसलिए इसे पढ़ना काफी आसान था।

विद्वानों के लिए इन ग्रंथों की हिब्रू वास्तव में काफी अच्छी और पढ़ने में काफी आसान थी क्योंकि यह इस अर्थ में एक उल्लेखनीय खोज थी क्योंकि हिब्रू वास्तव में पुराने नियम में जो आप देखते हैं और मिशनाह, यहूदी पवित्र पुस्तक, रब्बीनिक ग्रंथों में जो आप देखते हैं, के बीच एक मध्य बिंदु की तरह है जिसे 250 ईस्वी के आसपास संहिताबद्ध किया गया था। और हाँ, कई मायनों में, मृत सागर स्क्रॉल की हिब्रू विशेष रूप से ये सांप्रदायिक ग्रंथ, उन दो प्रकार की हिब्रू के बीच एक मध्य बिंदु का प्रतिनिधित्व करते हैं। कई अन्य ग्रंथों की खोज की गई।

जैसा कि आप देख सकते हैं, हबक्कूक की पुस्तक में एक टिप्पणी थोड़ी अधिक टूटी हुई है और पढ़ने में उतनी स्पष्ट और आसान नहीं है। हमारे पास युद्ध स्क्रॉल की एक प्रति है, और युद्ध स्क्रॉल एक उल्लेखनीय पाठ है और यह उस युद्ध का विवरण है जो एक दिन प्रकाश के बच्चों और अंधकार के बच्चों के बीच होने वाला है। जेनेसिस एपोक्रीफॉन एक मजेदार पाठ है।

यह मूल रूप से नूह के समय से अब्राहम की कहानियों के माध्यम से उत्पत्ति की कहानियों का पुनर्कथन है, और इसके कुछ हिस्से पहले व्यक्ति में बताए गए हैं। तो हमारे पास नूह के जन्म की यह अद्भुत कहानी है कि नूह के पिता लेमेक ने बताया कि वह कितना परेशान था क्योंकि बच्चा इतना सुंदर था कि उसे यकीन था कि वह वास्तव में वॉचर्स, स्वर्गदूतों का बच्चा था, न कि उसका अपना बेटा। और इसलिए उसे अपने बेटे का चेहरा देखने को मिला जब वह बड़ा हो गया।

वह ओह हाँ, वह मेरे जैसा दिखता है, ठीक है? लेकिन यहाँ कुछ प्यारी छोटी किंवदंतियाँ हैं और इस तरह की अद्भुत सामग्री उत्पत्ति की पुस्तक को फिर से बताती है। थैंक्सगिविंग स्क्रॉल भगवान को धन्यवाद देने के विषय पर कुछ प्यारी कविताएँ हैं।

एक और पाठ जिसकी तस्वीर मेरे पास नहीं है, वह है अय्यूब की पुस्तक का तार्गम। तार्गम क्या है, यह एक पाठ है, एक हिब्रू पाठ का अरामी में अनुवाद। और इस तरह, तार्गम शब्द का अनुवाद किया गया।

जॉब टार्गम भी इन मूल ग्रंथों में से एक था। उनके जार में बंद ग्रंथों को बिक्री के लिए यरूशलेम ले जाया गया था, और उन्हें मूल रूप से एक पुरावशेष व्यापारी ने खरीदा था। हमें नहीं पता कि उसने उनके लिए कितना भुगतान किया, लेकिन उसने उन्हें यरूशलेम के क्षेत्र में रूढ़िवादी पादरी, मार्स सैमुअल नामक व्यक्ति को बेच दिया।

और उसने उन्हें जाहिर तौर पर सौ डॉलर में बेच दिया। तो, यह 1947 की बात है, आप जानते हैं, मुद्रास्फीति और उस तरह की सभी चीजें। लेकिन मार्स सैमुअल ने ग्रंथों की खोज की घोषणा की और कई लोगों का ध्यान उनकी ओर आकर्षित किया।

वह उन्हें जेरूसलम के अमेरिकी स्कूल में ले गया जहाँ कई अलग-अलग विद्वानों ने उनका अध्ययन किया। और शुरुआत में कुछ अलग-अलग राय थी। कुछ लोगों ने सोचा कि वे जालसाजी

थे, विशेष रूप से यशायाह की वह पुस्तक, जोर से चिल्लाने के लिए, यह इतनी सुंदर, इतनी साफ-सुथरी थी, ऐसा लग रहा था जैसे इसे पिछले सप्ताह लिखा गया हो, आप जानते हैं।

और इसलिए ऐसे कई लोग थे जिन्होंने दावा किया कि ये ग्रंथ असली नहीं थे। कुछ अन्य लोग थे जिन्होंने कहा, ओह, ये बिल्कुल असली हैं। यह बहस चलती रही, और इसे एक बहुत प्रसिद्ध अमेरिकी पुरातत्वविद् अलब्राइट ने सुलझाया, जिन्होंने घोषणा की कि वे प्रामाणिक थे।

एक बार जब अलब्राइट ने डेड सी स्क्रॉल को अपनी स्वीकृति दे दी, तो बहस खत्म हो गई। वे प्रामाणिक थे। अब मार्स सैमुअल को पता है कि हर कोई उसके डेड सी स्क्रॉल में दिलचस्पी रखता है, और इसलिए वह उन्हें बेचना चाहता है।

बेशक, वह उचित मुनाफ़ा कमाना चाहता है, इसलिए वह उन्हें बाज़ार में दस लाख डॉलर में बेचता है। लेकिन उसे कोई खरीदार नहीं मिलता। कोई भी उन्हें नहीं खरीदता।

इसका कारण यह था कि वे राजनीतिक रूप से एक गर्म मुद्दा थे। ये स्क्रॉल जॉर्डन में पाए गए थे, जो जॉर्डन द्वारा नियंत्रित एक क्षेत्र था, और फिर उन्हें इज़राइल लाया गया। और इसलिए, उन्हें तस्करी की गई संपत्ति माना जाता था।

आप तस्करी की गई संपत्ति नहीं खरीदते, आप जानते हैं। आखिरकार, एलीएज़र सुकेनिक नामक एक बहुत ही प्रमुख यहूदी विद्वान ने एक बिचौलिए के माध्यम से स्क्रॉल खरीदे। वे बहुत गुप्त, बहुत निजी और छिपे हुए थे, और उन्होंने उन्हें \$250,000 में खरीदा। तो मार्स सैमुअल ने निश्चित रूप से इस पर बहुत बड़ा लाभ कमाया।

लेकिन बेशक, इससे विवाद बिल्कुल भी नहीं रुका क्योंकि जॉर्डन कई सालों तक दावा करता रहा कि वे स्क्रॉल हमारे हैं। और इज़राइल कह रहा था, वे यहूदी स्क्रॉल हैं, वे जाहिर हैं, आप उनसे क्या चाहते हैं, आप जानते हैं, वे हमारा अतीत हैं। तो यह, वह, वह दशकों तक चलता रहा, वास्तव में।

अब, उन बेडौइन लोगों द्वारा और भी स्क्रॉल पाए गए, और अंततः पुरातत्वविदों द्वारा भी, और 1952 से 1956 तक बाजार में दिखाई देने लगे। इस दौरान हुई एक छोटी सी हास्यास्पद घटना यह थी कि इज़राइल पुरावशेष प्राधिकरण ने कहा कि वे बेडौइन लोगों को स्क्रॉल लाने के लिए पैसे देंगे, बजाय इसके कि वे उन्हें इन ब्लैक-मार्केट पुरावशेष डीलरों के पास ले जाएं, और उन्होंने कहा कि वे उन्हें प्रति वर्ग सेंटीमीटर एक निश्चित कीमत पर बेचेंगे। खैर, जो हुआ वह यह था कि बेडौइन लोगों ने स्क्रॉल को वर्ग सेंटीमीटर में काट दिया और एक बार में एक वर्ग सेंटीमीटर ला रहे थे।

इसलिए, जब ये स्क्रॉल आ रहे थे, और हर कोई इन स्क्रॉल को देखकर हताश हो रहा था, जिन्हें स्पष्ट रूप से जानबूझकर काटा गया था, उन्होंने एक साथी, बेडौइन में से एक को अपने कोमल स्पर्श में लिया, और उसे उस स्थान पर ले जाने के लिए राजी किया जहाँ ये स्क्रॉल पाए जा रहे थे। और इसलिए, इस बिंदु पर, एक तरह का परिवर्तन हुआ, और उन्होंने वास्तव में इन चीजों को

देखना शुरू कर दिया, और अधिक वैज्ञानिक प्रकार की पुरातात्विक खुदाई की। अब, वे देख सकते थे कि स्कॉल कहाँ थे।

वे परतों और उन सभी अद्भुत चीजों के बारे में बात कर सकते हैं जो पुरातत्वविदों को पसंद हैं। स्कॉल का असली भंडार गुफा 4 में पाया गया था, जिसे 1952 में खोजा गया था। और यहाँ नीचे गुफा है, और हमारे समय में वहाँ पहुँचना थोड़ा मुश्किल है।

पुराने दिनों में भी वहाँ पहुँचना मुश्किल था, और इसलिए इस बात पर बहुत अटकलें लगाई गई हैं कि वे उन स्कॉल को उस गुफा में कैसे ले गए। और हम कल्पना कर सकते हैं कि शायद वे दीवार के किनारे से रस्सी के सहारे नीचे उतरे होंगे, या ऐसा ही कुछ। और क्यों, बेशक, उन्होंने स्कॉल को उन गुफाओं में क्यों रखा? यह एक और बड़ा सवाल है, लेकिन हमें लगता है कि हमारे पास इसका जवाब हो सकता है।

मैं इसके बारे में थोड़ी देर में बात करूँगा। तो, आखिरकार, बेडौइन सरकार के लिए स्कॉल खोजने की कोशिश कर रहे हैं। कुल ग्यारह गुफाओं में स्कॉल के टुकड़े पाए गए हैं।

गुफा 4 के कुछ टुकड़े वाकई बहुत छोटे और बहुत खराब हो चुके हैं, और अन्य स्कॉल के टुकड़े बहुत बड़े और कहीं ज़्यादा बरकरार हैं। इसलिए, सभी स्कॉल यहीं ऊपर इस क्षेत्र में पाए गए हैं। गुफा 1, गुफा 4, गुफा 11, और फिर कुछ छोटी गुफाएँ हैं जिनमें कम स्कॉल हैं, लेकिन कुछ महत्वपूर्ण खोजें भी हैं।

दिलचस्प बात यह है कि मसाडा में भी कुछ स्कॉल पाए गए थे। और नाहल हेवर में भी स्कॉल पाए गए थे, लेकिन वे बाद के समय के हैं। इसलिए, मृत सागर के किनारे का यह क्षेत्र बहुत शुष्क है, और इस तथ्य के कारण, इस क्षेत्र की शुष्कता के कारण, इन स्कॉल को संरक्षित किया जा सका।

पूरे इज़राइल में ज़्यादातर जगहों पर ऐसी चीज़ें बहुत पहले ही धूल में मिल गई थीं, लेकिन मृत सागर के पास उन्हें सुरक्षित रखा गया था। तो, कुल मिलाकर, हमारे पास ग्यारह गुफाएँ हैं, जिनमें स्कॉल के लगभग 30,000 टुकड़े हैं। हमारा मानना है कि इन स्कॉल में लगभग 900 अलग-अलग पाठ शामिल हैं।

यहाँ हमें कई तरह के अलग-अलग पाठ मिलते हैं। अब, मुझे यहाँ एक मिनट रुककर इन चीज़ों को एक साथ रखने की प्रक्रिया के बारे में बात करनी चाहिए, आप जानते हैं। जब शुरू में ये स्कॉल पाए जाते हैं, तो बेशक, कोई भी, बहुत कम लोग, मुझे कहना चाहिए, वास्तव में इन दिनों स्कॉल का अध्ययन करते हैं।

हम फोटोग्राफिक प्लेटों से स्कॉल का अध्ययन करते हैं, जो आमतौर पर पाठों की तुलना में अधिक स्पष्ट होते हैं, लेकिन आप कल्पना कर सकते हैं कि लोगों को क्या काम करना पड़ा होगा जब उनके पास स्कॉल के 30,000 टुकड़े थे, और उन स्कॉल में लगभग 900 पाठ शामिल थे। तो, आप अनुमान लगाते हैं कि आप 900 जिगसॉ पहेलियाँ लेते हैं। आप लगभग आधे टुकड़े लेते हैं और उन्हें फेंक देते हैं।

आप बक्से लेते हैं, उन्हें फेंक देते हैं, और फिर आप कहते हैं, चलो अपने जिगसॉ पहेलियों को एक साथ जोड़ते हैं। हाँ, यह एक लंबी, कठिन प्रक्रिया थी, और आज भी, आप जर्नल में देखेंगे कि कोई व्यक्ति घोषणा कर रहा है, आह, मुझे एक नया जोड़ मिला! और हर कोई, वाह, एक नया जोड़! उन्होंने पाया कि किसी तस्वीर पर स्कॉल का कुछ छोटा हिस्सा किसी अन्य पाठ का था। हम इन चीजों को उदाहरण के लिए हस्तलेखन जैसी चीजों के आधार पर मिलाते हैं।

विषयवस्तु एक और महत्वपूर्ण बात है। यदि यह बाइबिल का पाठ है, तो, निश्चित रूप से, यह आसान है क्योंकि हम बाइबिल को पहचानते हैं, और ये पाठ उस बाइबिल के बहुत समान हैं जिससे हम परिचित हैं। लेकिन कभी-कभी हम पाते हैं कि, विशेष रूप से उन शुरुआती स्कॉल के साथ जो विभिन्न स्थानों से लाए गए थे, हमें यह भी नहीं पता था कि वे किस गुफा से आए थे।

इसलिए, यह पता लगाना कि उन्हें फिर से कैसे जोड़ा जाए और इन चीजों को फिर से कैसे जोड़ा जाए, यह एक बड़ी चुनौती थी। तो, आइए इन बाइबिल के ग्रंथों के बारे में बात करते हैं क्योंकि, जैसा कि मैं कहता हूँ, ये वे थे जो वास्तव में शुरुआत में सभी का ध्यान आकर्षित करते थे। अधिकांश भाग के लिए, पुराने नियम की हमारी अधिकांश हिब्रू पांडुलिपियाँ मध्य युग के समय से आई हैं।

मुझे अपने दिमाग से सटीक संख्या याद नहीं है, लेकिन मेरा मानना है कि पूरे पुराने नियम की सबसे पुरानी हिब्रू पांडुलिपि लगभग एक हजार ईस्वी से आती है, ठीक उसी अवधि के आसपास। इसलिए, मृत सागर स्कॉल की खोज के साथ, हमें हिब्रू में बाइबिल की प्रतियाँ मिली हैं, मूल भाषाओं में, जो हमारे पास पहले से मौजूद किसी भी चीज़ से एक हजार साल पुरानी हैं। और, ज़ाहिर है, संशयवादियों के बीच शुरुआती सोच यह थी, अहा, अब हम यह देखने जा रहे हैं कि उन सभी लोगों ने युगों के दौरान बाइबिल को कैसे बदल दिया।

इसके बजाय, हम पाते हैं कि उन्होंने ऐसा नहीं किया। एक हजार साल से ज़्यादा समय में, बाइबिल में वास्तव में बहुत कम बदलाव हुए हैं। और यह इस बात का सच्चा सबूत है कि लिपिक कितने सावधान और सतर्क थे जिन्होंने प्रतिलेखन, अनुवाद का काम किया - जैसा कि आप जानते हैं, बाइबिल का अलग-अलग भाषाओं में अनुवाद किया गया था - और पाठ को एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक पहुँचाया।

लेकिन, जब हम उत्पत्ति की पुस्तक की 19 अलग-अलग पांडुलिपियों को देखते हैं। बेशक, ये सभी पांडुलिपियाँ पूरी नहीं हैं। वास्तव में, इनमें से कोई भी पांडुलिपि पूरी नहीं है।

एकमात्र ऐसा जो पूर्ण होने के करीब है, वह वास्तव में ग्रेट इसायाह स्कॉल है। लेकिन उनमें से अधिकांश बाइबिल की पुस्तकों के अंश हैं। इसलिए, जब हम कहते हैं कि हमारे पास उत्पत्ति की पुस्तक की 19 प्रतियाँ हैं, तो हमारा मतलब है कि हमारे पास 19 अलग-अलग पांडुलिपियाँ हैं जिन्हें हमने उत्पत्ति की पुस्तक के रूप में पहचाना है।

और इनमें से कुछ पांडुलिपियों में शायद बस कुछ ही पंक्तियाँ हों। निर्गमन की 17 प्रतियाँ, लैव्यव्यवस्था की 13, गिनती की 7 प्रतियाँ। व्यवस्थाविवरण की पुस्तक को देखें।

व्यवस्थाविवरण की पुस्तक से 30 प्रतियाँ मिली हैं। व्यवस्थाविवरण की पुस्तक को मृत सागर स्कॉल में भी बहुत उद्धृत किया गया है, और यहाँ तक कि एक पाठ भी है जिसे हम मंदिर स्कॉल कहते हैं जो जाहिर तौर पर व्यवस्थाविवरण की पुस्तक पर आधारित था और व्यवस्थाविवरण में एक तरह की टिप्पणी के रूप में कार्य करता है। उन्हें व्यवस्थाविवरण की पुस्तक बहुत पसंद थी।

यहोशू की दो प्रतियाँ, न्यायियों की तीन, 1 और 2 शमूएल की चार, 1 और 2 राजा की तीन, यशायाह की 21 प्रतियाँ। जाहिर है, यह भी इन लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण पाठ था। यिर्मयाह की छह, यहजेकेल की छह, बारह भविष्यवक्ताओं की 12।

यहूदी परंपरा में बारह भविष्यवक्ताओं को हमेशा एक ही स्कॉल में लिखा जाता था, जब तक कि वे बाइबल रहे हों। इसलिए, अगर हमें छोटे भविष्यवक्ताओं में से किसी एक का एक टुकड़ा मिलता है, जैसे कि, होशे की किताब, तो आप उसे बारह भविष्यवक्ताओं की पूरी स्कॉल के रूप में गिनते हैं। भजन संहिता की 36 प्रतियाँ, नीतिवचन की दो प्रतियाँ।

अब, ऐसा नहीं है कि इन लोगों को नीतिवचन पसंद नहीं थे। उन्हें नीतिवचन से प्यार था। वास्तव में, उन्होंने अपनी खुद की बहुत सारी नीतिवचन लिखीं, लेकिन उनके पास नीतिवचन की किताब की बहुत ज़्यादा प्रतियाँ नहीं थीं।

अय्यूब की चार प्रतियाँ, सुलैमान के गीत की चार प्रतियाँ, जो दिलचस्प है क्योंकि मिशना के अनुसार, रब्बी अभी भी इस बात पर बहस कर रहे थे कि सुलैमान के गीत को बाइबल में होना चाहिए या नहीं। उनके मन में इस बारे में कुछ सवाल थे। रूथ की चार प्रतियाँ, विलाप की चार, सभोपदेशक की दो, एस्तेर की किताब की कोई प्रति नहीं।

मैं इसे एक मिनट में समझाऊंगा। दानिय्येल की पुस्तक की आठ प्रतियाँ। अब, भले ही यह दानिय्येल की बहुत अधिक प्रतियाँ न लगती हों, लेकिन मुझे यह भी बताना चाहिए कि कई छद्म-दानिय्येल ग्रंथ भी थे, ऐसे ग्रंथ जो दानिय्येल द्वारा लिखे गए प्रतीत होते हैं या जो दानिय्येल द्वारा लिखे जाने का दावा करते हैं, या जो अपनी प्रकृति में दानिय्येलिक हैं, जो दानिय्येल की छवियों का उपयोग करते हैं, जिनमें सबसे विवादास्पद स्कॉल में से कुछ शामिल हैं।

इस अवधि के दौरान, यीशु के समय से ठीक पहले और उसके दौरान, दानिय्येल की पुस्तक वास्तव में बहुत बड़ी चीज़ थी। मेरा मतलब है, यीशु द्वारा इस्तेमाल की गई परमेश्वर के राज्य की पूरी भाषा, आपको क्या लगता है कि उसे यह कहाँ से मिली? उसे यह दानिय्येल की पुस्तक से मिली। एज़्रा और नहेम्याह, यह थोड़ा विवादास्पद है क्योंकि कुछ लोगों को लगता है कि उन्हें इसका एक हिस्सा मिला है और दूसरों को, मेह।

लेकिन एज़्रा और नहेम्याह को आम तौर पर यहूदियों द्वारा एक ही पुस्तक माना जाता था, और 1 और 2 इतिहास के एक हिस्से की एक प्रति। तो, एस्तेर की कोई पुस्तक क्यों नहीं? खैर, हम थोड़ी देर बाद पता लगाने जा रहे हैं, क्योंकि हम मृत सागर स्कॉल से इन अन्य ग्रंथों में से कुछ को देख रहे हैं, कि ये लोग यहूदियों के गैर-यहूदियों के साथ, गैर-यहूदी लोगों के साथ विवाह के बहुत,

बहुत विरोधी थे। और एस्तेर की पुस्तक इस बारे में है कि कैसे एक यहूदी महिला बुतपरस्त राजा से शादी करती है और अपने देश को बचाती है।

यह वह संदेश नहीं था जिसे सुनने में इन लोगों की रुचि थी। और जब हम उनकी छुट्टियों की सूची देखते हैं, तो किसी कारण से पुरीम उस सूची में नहीं है। हमें लगभग 205 संदेश मिले, और यह संख्या हाल ही में बदल गई होगी क्योंकि हम लगातार इन चीजों को संशोधित कर रहे हैं।

यह आखिरी बार है जो मुझे इसके बारे में पता था। बाइबल के ग्रंथों के अलावा, पहले से ज्ञात अपोक्रीफा और स्पूडेपिग्राफा भी हैं। अब, हम यहाँ किस बारे में बात कर रहे हैं? खैर, मैंने अपोक्रीफा की पुस्तकों के बारे में थोड़ी बात की है, बेशक, इस बारे में कि अपोक्रीफा वे पुस्तकें हैं जो आम तौर पर इस समय में लिखी गई थीं जिसे हम इंटरटेस्टामेंटल अवधि कहते हैं।

वे सेप्टुआजेंट में ग्रीक में संरक्षित थे। यहूदियों ने उन्हें धर्मग्रंथ नहीं माना। यहूदियों ने उन्हें नहीं रखा।

और इसलिए इनमें से किसी भी किताब की हिब्रू या अरामी प्रतियाँ अस्तित्व में नहीं थीं। उनमें से कुछ के कुछ बाद के अनुवाद मौजूद हैं। इसलिए, हमारे पास वे चीज़ें हैं।

हमारे पास ऐसी पुस्तकें भी हैं जिन्हें हम स्पूडेपिग्राफा कहते हैं, जिन्हें संरक्षित किया गया क्योंकि किसी ने उन्हें धर्मग्रंथ माना था। यहाँ मैं जिन मुख्य पुस्तकों के बारे में बात कर रहा हूँ, वे हैं 1 हनोक और जुबलीज़ की पुस्तक। 1 हनोक और जुबलीज़ को मुख्य रूप से इथियोपिक चर्च द्वारा संरक्षित किया गया था और कॉप्टिक में अनुवादित किया गया था।

ये पुस्तकें चर्च के कुछ अन्य क्षेत्रों और कुछ अन्य रूढ़िवादी समूहों में भी संरक्षित थीं। लेकिन हमारे पास इन पुस्तकों की कोई भी पांडुलिपि नहीं थी जो मध्य युग से पहले की हो। तो, मृत सागर स्क्रॉल में हमें क्या मिला? टोबिट की पुस्तक की पाँच प्रतियाँ।

बेन सिराच की किताब, सिराच, बेन सिराच की बुद्धि। मैंने पहले ही इसका ज़िक्र किया है, नीतिवचन की एक अद्भुत किताब और इसी तरह की अन्य किताबें। यिर्मयाह का पत्र।

भजन 151 एक तरह से आश्चर्यजनक है क्योंकि भजन 151 लगभग कुछ मायनों में एक ग्रीक रचना की तरह लगता है, लेकिन यह यहाँ मृत सागर स्क्रॉल के बीच दिखाई देता है। स्पूडेपिग्राफा, 1 एनोच की 20 पांडुलिपियाँ। उन्हें यह किताब पसंद आई।

जुबलीज़ कैलेंडर का प्रभाव व्यापक है।

बहुत से विद्वानों का मानना है कि जुबलीज़ शायद उन शुरुआती किताबों में से एक रही होगी जिसे हम स्पूडेपिग्राफा कहते हैं और निश्चित रूप से इसने 1 एनोच और इनमें से अन्य किताबों के लेखन को प्रभावित किया है। जुबलीज़, जैसा कि मैंने बहुत पहले उल्लेख किया था, लेकिन आप शायद भूल गए हैं, प्रारंभिक इज़राइल का एक प्रकार का इतिहास है, और यह इतिहास को इन 49-वर्षीय जुबली अवधियों में विभाजित करता है। और इसलिए, यह कहता है कि यह पहली

जुबली में हुआ और दूसरी जुबली में यह हुआ और तीसरी जुबली में यह इस तरह लिखा गया है जैसे कि यह मूसा द्वारा एक रहस्योद्घाटन है।

और जुबलीस की पुस्तक के कुछ प्रमुख विषय प्रारंभिक हसमोनियन युग की चिंताओं को दर्शाते हैं। और इसलिए, हम पुरोहिताई के महत्व जैसी चीजों को देखते हैं। हम ऐसी चीजें देखते हैं जैसे विदेशियों के साथ विवाह न करें।

जुबलीज़ में यह एक बड़ा विषय है। हम कैलेंडर के बारे में विचार देखते हैं, और मैं यहाँ कुछ मिनटों में कैलेंडर के बारे में और बात करने जा रहा हूँ, लेकिन विभिन्न यहूदी समूहों के बीच इस बात पर बहुत तीखी असहमति थी कि आपको चंद्र कैलेंडर या सौर कैलेंडर का उपयोग करना चाहिए। और यह असहमति का एक प्रमुख मुद्दा था।

तो, जुबलीज़ का कहना है कि हम सौर कैलेंडर का उपयोग करते हैं न कि चंद्र कैलेंडर का। अगर आपको यहूदी धर्म के बारे में कुछ पता है तो आज भी वे अपने धार्मिक अनुष्ठानों के लिए चंद्र कैलेंडर या जिसे हम लूनिसोलर कैलेंडर कहते हैं, का उपयोग करना जारी रखते हैं। वैसे भी, बारह कुलपतियों का वसीयतनामा है जो जाना जाता था।

इसकी छह प्रतियाँ और यह एक थोड़ा और संदिग्ध है क्योंकि डेड सी स्क्रॉल में जो संस्करण हमारे पास है वह वास्तव में बाद के संस्करणों से काफी अलग है जो ग्रीक में संरक्षित थे। इसलिए लगभग 50 ग्रंथ इस श्रेणी में आते हैं। वे रचनाएँ जिनके बारे में हम पहले से जानते थे, वे मौजूद थीं लेकिन केवल ग्रीक और इथियोपिक में अनुवाद के रूप में और कुछ मामलों में लैटिन या अन्य भाषाओं में भी।

अब हमें वे उनकी मूल भाषाओं में मिल गए हैं। क्या यह बढ़िया नहीं था? पहले से अज्ञात यहूदी ग्रंथ। इनमें सबसे पहले, कुछ सामान्य धार्मिक रचनाएँ शामिल हैं, जिनमें कुछ कहानियाँ और कुछ पुनर्लेखित बाइबल शामिल हैं। पुनर्लेखित बाइबल से हमारा मतलब है जब आप बाइबल की कोई कहानी लेते हैं और उसे अपने शब्दों में बताते हैं और आम तौर पर उसमें बहुत सी चीज़ें जोड़कर और उसे नए और अलग तरीकों से करते हैं।

कविताएँ। बहुत सारी कविताएँ। कुछ सुंदर कविताएँ, कुछ अजीब।

और ज्ञान साहित्य। ज्ञान साहित्य जिसमें बहुत सारी कहावतें, बहुत सारी चेतावनियाँ शामिल हैं जहाँ आप बस लोगों को यह बताने की कोशिश कर रहे हैं, अरे मेरे बेटे, उन बुरी महिलाओं के साथ मत उलझो, तुम्हें पता है कि इससे तुम्हें दुख और उस तरह की चीज़ें मिलेंगी। गैर-धार्मिक ग्रंथ।

उनमें से कुछ हैं। कुछ अनुबंध और पत्र और उस तरह की चीज़ें हैं, जिनमें एक बहुत ही उल्लेखनीय पाठ शामिल है, जिसे हम कॉपर स्क्रॉल कहते हैं, जो वर्षों से विवाद का विषय रहा है, लेकिन कॉपर स्क्रॉल एक ऐसा पाठ है जो जाहिर तौर पर उन खजानों की सूची है जो कहीं छिपे हुए थे। यह पाठ तांबे पर लिखा गया था न कि सामान्य लेखन सामग्री पर जिसका वे उपयोग करते थे, और लंबे समय तक यह माना जाता था कि शायद यह असली भी नहीं है, आप जानते हैं,

क्योंकि इस पाठ में दर्ज की गई धन की मात्रा उल्लेखनीय लगती है और प्रारंभिक स्कॉल जांचकर्ताओं में से एक ने इसे एक एस्सेन की पागल बकवास के रूप में वर्णित किया।

यह ऐसा है, ठीक है, कौन जाकर तांबे के टुकड़े पर पागलपन भरी बातें लिखने की सारी परेशानी उठाएगा, है न? इसलिए, हम मानते हैं कि इस बिंदु पर मुझे लगता है कि आम राय यह है कि यह प्रामाणिक है। यह तांबे पर लिखा गया था क्योंकि वे इसे संरक्षित करना चाहते थे और यह बहुत संभव है कि यह उन वस्तुओं का रिकॉर्ड हो जिन्हें यरूशलेम के मंदिर से हटा दिया गया था और फिर शायद महान विद्रोह की शुरुआत में अन्य स्थानों पर छिपा दिया गया था।

फिर हमारे पास सांप्रदायिक ग्रंथ हैं। सांप्रदायिक ग्रंथों में वे ग्रंथ शामिल हैं जो कुमरान समुदाय से संबंधित हैं। उनके लिए शब्द यहूदा था जिसका अनुवाद समुदाय होता है। यहूदा उसी मूल से आया है जिससे हिब्रू शब्द का अर्थ है एक। तो यहूदा का अर्थ है एकता या समुदाय और यह उनके धार्मिकता के शिक्षक से संबंधित है। इनमें नियम जैसी चीजें शामिल हैं। कई अलग-अलग नियम हैं।

जिस सामुदायिक नियम के बारे में मैंने बात की, वह केवल सबसे बड़ा और सबसे पूर्ण है, और मुझे यह कहना होगा कि ये हमेशा एक दूसरे से पूरी तरह से सहमत नहीं होते हैं। यहाँ उनके बीच कुछ मतभेद हैं।

एक और अजीब संयोग दमिश्क दस्तावेज़ या सीडी की खोज थी, जिसे पहले ज़ादोकाइट दस्तावेज़ के रूप में प्रकाशित किया गया था।

और जो इस पूरी चीज़ को अजीब बनाता है और कभी-कभी हमारे सिर फट जाते हैं, वह है? 1800 के दशक में मिस्र में एक आराधनालय की खुदाई में जो पाठ सामने आया था, वह एक लंबा दस्तावेज़ था, जो इस समूह के बारे में बात करता था जो यहूदियों से अलग हो गए थे और दमिश्क चले गए थे और जंगल में रहते थे और उत्पीड़न का सामना किया था। यह उनके विभिन्न नियमों और भविष्य के बारे में उनके विचारों और इसी तरह की अन्य बातों की एक सूची थी। जैसा कि मैं कहता हूँ,

यह 1800 के दशक के अंत में प्रकाशित हुआ था, जिसे उन्होंने ज़ादोकाइट दस्तावेज़ कहा था क्योंकि उन्हें लगा कि यह सद्दूकी और शिक्षाओं की तरह लग रहा था। फिर, लो और देखो, हम मिस्र से बहुत दूर मृत सागर स्कॉल में इस चीज़ की एक प्रति खोजते हैं, जो काहिरा में आराधनालय के खंडहरों में खोजे गए संस्करण से बहुत पहले की है।

और इसलिए, हमारे पास यह हिस्सा बचा है कि हम क्या कह सकते हैं? सभी तरह के सवाल जो बहुत तकनीकी हैं, जैसे कि, मिस्र में जिस आराधनालय में ये पाए गए थे, वह रब्बीनिक यहूदी आराधनालय नहीं था। यह एक कैराइट यहूदी आराधनालय था, और कैराइट एक यहूदी आंदोलन था जो मध्य युग की अवधि से ठीक पहले बहुत बड़ा हो गया था और यह यहूदी धर्म से लेकर रब्बीनिक यहूदी धर्म का एक प्रकार का प्रतिद्वंद्वी था, जो अंततः, निश्चित रूप से, जीत गया।

लेकिन क्या कैराइट का डेड सी स्कॉल समूह से किसी तरह का संबंध था? अगर नहीं था, तो वे अपने ग्रंथों में से एक के साथ क्या कर रहे हैं? जहाँ तक हम बता सकते हैं, कैराइट की मान्यताएँ डेड सी स्कॉल संप्रदाय की मान्यताओं जैसी नहीं थीं। इसलिए, जैसा कि मैंने कहा, हम बस अपने हाथ खड़े कर देते हैं और कहते हैं कि हमें नहीं पता कि हमें यह समझ में नहीं आया। उन्होंने यह चीज़ क्यों रखी?

वैसे भी, बाइबल की व्याख्याएँ नियम हैं और हमने हबक्कूक पर टिप्पणी के बारे में पहले ही बात की है, इस तरह की टिप्पणियों को पेशेरिम कहा जाता है। पेशेर शब्द का सीधा अर्थ है व्याख्या। लेकिन उन्हें पेशेरिम इसलिए कहा जाता है क्योंकि इन चीज़ों का रूप अनोखा है। जिस तरह से वे चीज़ें करते हैं वह यह है कि वे बाइबल की एक आयत को उद्धृत करते हैं, और फिर वे पेशेरिम कहते हैं, जिसका अर्थ है उसकी व्याख्या। फिर वे आगे बढ़ेंगे और उस आयत की व्याख्या करेंगे

ये विशेष पाठ काफी हद तक उन ग्रंथों के लिए आरक्षित हैं या यह विशेष विधि काफी हद तक उन ग्रंथों के लिए आरक्षित थी जिन्हें वे भविष्यसूचक मानते थे। जिसे वे भविष्यसूचक मानते थे और जिसे हम भविष्यसूचक मानते हैं, वे हमेशा एक ही बात नहीं थे।

उदाहरण के लिए, भजन संहिता की पुस्तक पर उसी रूप में एक टिप्पणी है जिस रूप में उन्होंने भजन संहिता को भविष्यसूचक माना था जो दिलचस्प है क्योंकि आपको याद होगा कि प्रेरितों के काम की पुस्तक में पिनतेकुस्त के दिन जब पतरस प्रचार करता है और कहता है कि हम जानते हैं कि दाऊद एक भविष्यद्वक्ता था और उसने ये शब्द नहीं कहे। वह अपने स्वयं के भजनों से उद्धरण देता है, लेकिन वह उन्हें उस मसीहा के बारे में बोलता है जो आने वाला था इसलिए मृत सागर स्कॉल संप्रदाय ने पीटर के साथ एक समान दृष्टिकोण साझा किया कि भजन की पुस्तक की पुस्तकें एक भविष्यसूचक रचना है। लेकिन

कई अन्य भी हैं, और आम तौर पर वे इन ग्रंथों की व्याख्याएँ हैं। वे सभी उस चीज़ की भविष्यवाणी कर रहे हैं जो संप्रदाय के जीवन में ही हो रही है। पत्र। हमें पत्र मिले हैं, और मैंने पहले ही 4QMMT का उल्लेख किया है, कानून के

कुछ कार्य, और हमारे पास जादू के ग्रंथ हैं। ओह, हाँ जादू के कुछ ताबीज। हमारे पास ताबीज हैं जो वे राक्षसी आत्माओं और उस तरह की चीज़ों को दूर भगाने के लिए इस्तेमाल करते थे आप जानते हैं, यह कुछ ऐसा है जिसके बारे में हम अक्सर दोबारा नहीं सोचते हैं। यह कुछ ऐसा है जो हममें से बहुत से लोग प्राचीन निकट पूर्वी दुनिया के बारे में लेकिन आप इस बात से आश्चस्त हो सकते हैं कि आम लोग सभी प्रकार के जादू-टोने और अन्य चीज़ें करते थे। यह प्राचीन विश्व में सर्वत्र होता था, और इसलिए मृत सागर स्कॉल से हम देखते हैं कि यहूदी भी इससे अछूते नहीं थे, और यहां तक कि मृत सागर स्कॉल संप्रदाय जैसे एक बहुत ही सख्त यहूदी संप्रदाय ने भी अपने तरीके से जादू का अभ्यास किया, बेशक काला जादू नहीं।

आप जानते हैं कि यह एक अलग चीज़ है आप जानते हैं कि काला जादू तब होता है जब आप लोगों और इस तरह की चीज़ों को श्राप देने के लिए मंत्र का उपयोग कर रहे होते हैं, जानते हैं कि

ये मंत्र मुख्य रूप से किस लिए थे, खुद को बुरी आत्माओं से बचाने या भूतों को भगाने या शायद ऐसी चीजें जो बीमारियों को ठीक करने वाली हों और उस तरह की चीजें, उन प्रकार की चीजें जिन्हें हम जादू मानेंगे। वे उनमें से कुछ को विज्ञान की तरह अधिक मानते थे, लेकिन वैसे भी, हमें इस तरह की चीजों के बारे में इतना परेशान नहीं होना चाहिए, आप जानते हैं, ओह ठीक है, कोई बात नहीं।

हम वहां नहीं जाएंगे, लेकिन चलिए एक मिनट के लिए राशिफल के बारे में बात करते हैं हमने पहले ही कुछ राशिफल देखे हैं। हमने ज्योतिष के बारे में बात की और कैसे ज्योतिष अंततः यहूदी धर्म के लिए वास्तव में बहुत बड़ी बात बन गई। खैर, हम पहले से ही मृत सागर स्कॉल में ऐसा होते हुए देखते हैं

एक पाठ में कहा गया है कि एक व्यक्ति की कुंडली बनाई गई है जिसे लोगों ने मसीह विरोधी व्यक्ति के रूप में वर्णित किया है क्योंकि वे ऐसा करते हैं। वे जो कुछ भी करते हैं वह लोगों के जन्म के अलावा होता है। वे शारीरिक रचना जैसी चीजें भी करते हैं, जो कि, आप जानते हैं, सिर में उभार और चेहरे की विशेषताओं और उस तरह की चीजों को देखना है। ऐसी चीजें भी

हैं जैसे कि वे संकेत हैं जो उनके जन्म के साथ थे, लेकिन वे इस एक व्यक्ति के बारे में बात कर रहे हैं जिसके बारे में वे कहते हैं कि उनका व्यक्तित्व सात भागों में विभाजित है और उनमें से कुछ भाग प्रकाश हैं और कुछ भाग अंधकार हैं। आपके पास यह एक व्यक्ति है जो पूरी तरह से अंधकार है, आप जानते हैं और अन्य लोग जो लगभग पूरी तरह से प्रकाश हैं। इसलिए, अधिकांश लोग कहीं बीच में आते हैं।

तो चलिए यहाँ बाइबिल के ग्रंथों के बारे में बात करते हैं क्योंकि यह वास्तव में बहुत से लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण बात थी जब इन ग्रंथों की खोज की जा रही थी और मुझे लगता है कि बाइबिल के पाठ के बारे में बहुत सारी उत्तेजना युगों से कम हो गई है। ऐसा नहीं होना चाहिए था क्योंकि यह अभी भी हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। तो, मृत सागर स्कॉल की खोज से पहले हमारे पास ग्रंथों के रूप में क्या था? शास्त्रों की प्राचीनता को समझने के लिए हमारे पास क्या आधार था? फिर से, आप लोगों को, संशयवादियों को सुनते हुए देखेंगे। आप इंटरनेट पर पढ़ते हैं तो आप लोगों को यह कहते हुए देखेंगे कि बाइबिल को सभी युगों में पुराने लोगों के एक समूह द्वारा लिखा और फिर से लिखा गया था जो लोगों को नियंत्रित करने की कोशिश कर रहे थे और जो महिलाओं से नफरत करते थे और इस तरह की बातें करते थे। मृत सागर स्कॉल के समय से पहले भी, हम काफी आसानी से प्रदर्शित कर सकते थे कि यह बकवास था; मेरा मतलब है, हमारे पास सेप्टुआजेंट की पांडुलिपियाँ हैं, पुराने नियम का ग्रीक अनुवाद, जो लगभग दूसरी शताब्दी ईस्वी के अंत तक जाता है। इसलिए, इस तथ्य के बारे में कोई सवाल नहीं है कि बहुत पहले से ही उन्होंने इस बात पर काफी हद तक फैसला कर लिया था कि इस पाठ में क्या शामिल है।

हमारे पास वल्गेट की पांडुलिपियाँ हैं, जो पुराने नियम का लैटिन अनुवाद था, और उन पांडुलिपियों में से सबसे पुरानी लगभग 700 ईस्वी की है। अब, हम जानते हैं कि वल्गेट का अनुवाद उस समय से काफी पहले किया गया था, जो वल्गेट के लिए जिम्मेदार जेरोम ने काम किया था, ओह, मुझे लगता है कि 430 ईस्वी में शायद। वैसे भी उस युग के आसपास और जब

वह अपना काम कर रहा था, तब पहले से ही बाइबिल का लैटिन अनुवाद था, लेकिन यह पर्याप्त नहीं था। इसलिए, जेरोम ने एक बेहतर अनुवाद करने के लिए अपना काम शुरू किया, लेकिन फिर से, हमारी सबसे पुरानी पांडुलिपि लगभग 700 ईस्वी की है। हमारे पास बाइबिल के सिरिएक अनुवाद हैं। सिरिएक एक अरामी भाषा है, और ये 6वीं से 7वीं शताब्दी ईस्वी के बीच आए थे, ठीक है, और फिर मसोरेटिक पाठ आता है।

यह वह पाठ है जो वास्तव में पुराने नियम के हर आधुनिक अनुवाद का आधार बनता है: मसोरेटिक पाठ। खैर, मसोरेटिक शब्द मसोरा शब्द से आया है, जिसका अर्थ है परंपरा, है न? यह वे लोग हैं जिन्होंने इस पर काम किया। मसोरेट्स नामक विद्वानों का एक समूह था जो इस चीज़ को बनाने के लिए ज़िम्मेदार था, और पुराने नियम के साथ एक बात जो वे ध्यान में रखते हैं वह यह है कि वे संग्रहालय के टुकड़े नहीं बना रहे थे। यह उनका उद्देश्य नहीं था। वे पांडुलिपियाँ बना रहे थे जिनका उपयोग सभाओं में किया जाना था और जिन्हें पढ़ा और संभाला जाना था, और जब आप पाठ को पढ़ते और हाथ से संभालते हैं, तो पाठ घिस जाता है। उन्होंने उन पाठों के साथ क्या किया जो घिस गए थे? उन्होंने उन्हें दफना दिया। उन्होंने उन्हें हटा दिया और उनके साथ जितना संभव हो सके उतना सम्मानपूर्वक व्यवहार किया क्योंकि जिस चीज़ पर प्रभु का नाम होता था उसे पवित्र माना जाता था। इसलिए, वे इन पाठों के बारे में और उनके साथ क्या करते थे, इस बारे में बहुत सावधान थे। लेकिन अधिकांश भाग के लिए उन्होंने उन्हें किसी शेल्व पर नहीं रखा और उन्हें धूल इकट्ठा करने नहीं दिया जब ऐसा तब होता है जब कोई पाठ घिस जाता है।

इसे सम्मानजनक तरीके से निपटाया गया था इसलिए हमारे पास सबसे पुराना पाठ जो मसोरेट्स से है, पुराने नियम की सबसे पुरानी हिब्रू पांडुलिपि लगभग 900 ईस्वी से आती है जब हम आज पुराने नियम का अनुवाद करते हैं। जैसा कि मैंने कहा, हम जिस मूल पाठ का उपयोग करते हैं वह मसोरेटिक पाठ है। यह हर आधुनिक अनुवाद का आधार है और जिन चीज़ों को लेकर लोग वास्तव में उत्साहित थे उनमें से एक यह है कि ओह बाय हम यहाँ डेड सी स्क्रॉल में मूल हिब्रू सामग्री को देखने जा रहे हैं और देखेंगे कि मसोरेट्स ने युगों के दौरान चीज़ों को कितना बदल दिया होगा। खैर, फिर से, हमारे पास पहले से ही सेप्टुआजेंट था।

हमारे पास लैटिन अनुवाद थे। हम जानते थे कि वे अपने काम में बहुत अच्छे थे, लेकिन वास्तव में डेड सी स्क्रॉल ने हमें दिखाया कि ये लोग, ये मसोरेट्स अपने काम में कितने अच्छे थे, क्योंकि अधिकांश भाग के लिए, स्क्रॉल ने मसोरेटिक पाठ की सटीकता की पुष्टि की है।

तो, आप मसोरेटिक पाठ 900 ई. की सबसे पुरानी पांडुलिपि और डेड सी स्क्रॉल के बारे में सोचते हैं, जहाँ डेड सी स्क्रॉल की सबसे पुरानी पांडुलिपि संभवतः 200 ई.पू. के आसपास की है। तो आप यहाँ 1,100 वर्षों की बात कर रहे हैं, जब पाठ की प्रतिलिपि बनाई गई और फिर से प्रतिलिपि बनाई गई और फिर से प्रतिलिपि बनाई गई और उस पूरे समय में, पाठ में बहुत कम और बहुत मामूली बदलाव किए गए क्योंकि यह युगों से गुज़रता रहा 95% हाँ, हम यहाँ एक उदाहरण के रूप में ग्रेट यशायाह स्क्रॉल लेंगे ग्रेट यशायाह स्क्रॉल में 95% शब्द मसोरेटिक पाठ के शब्दों के समान हैं ग्रेट यशायाह स्क्रॉल और 900 ई. के मसोरेटिक पाठ के बीच अधिकांश अंतर महत्वहीन हैं।

यशायाह ५३ में १६६ हिब्रू शब्द हैं, जो निश्चित रूप से ईसाइयों के लिए एक धार्मिक रूप से बहुत महत्वपूर्ण पाठ है। मृत सागर स्क्रॉल, यशायाह स्क्रॉल में केवल १७ अक्षर, विशेष रूप से १Q१५B में बड़े यशायाह स्क्रॉल, जो कि एक प्रमुख यशायाह स्क्रॉल है, मासोरेटिक पाठ से भिन्न हैं और हम यहां गुफा १ यशायाह स्क्रॉल में से एक का उपयोग कर रहे हैं क्योंकि यह उस भाग में अधिक पूर्ण है लेकिन वैसे भी दस अक्षर केवल वर्तनी के अंतर हैं, इसलिए १७ अक्षर दस मामलों में भिन्न हैं। यह एक ही शब्द की वर्तनी में अंतर है, बस अलग तरीके से लिखा गया है। चार अक्षर कुछ शैलीगत परिवर्तनों का प्रतिनिधित्व करते हैं, और तीन अक्षरों में, हमारे पास एक महत्वपूर्ण वृद्धि है, और यह श्लोक ११ में है जहां? मासोरेटिक पाठ पढ़ता है,

मृत सागर स्क्रॉल में लिखा है कि उसकी आत्मा की पीड़ा के बाद। वह प्रकाश देखेगा और यही वाक्यांश सेप्टुआजेंट में भी पाया जाता है। इसलिए, इस मामले में, स्पष्ट रूप से, अनुवाद में कहीं कोई शब्द छूट गया था, और पाठ और मृत सागर स्क्रॉल के प्रसारण ने यह सत्यापित करने में कामयाबी हासिल की है कि अनुवाद सही थे और मासोरेटिक पाठ गलत था।

कभी-कभी स्क्रॉल मासोरेटिक पाठ को सही करते हैं, और यह एक मजेदार उदाहरण है यशायाह 14 के लिए यदि आप इसे किंग जेम्स संस्करण में पढ़ते हैं, जो व्यावहारिक रूप से अब कोई नहीं करता है, लेकिन हे, हम करेंगे। हम इसे किंग जेम्स संस्करण के रूप में लेंगे। किंग जेम्स अनुवाद मासोरेटिक पाठ पर आधारित था। ठीक है तो 14 में इसके लिए तुम बेबीलोन के राजा के खिलाफ यह कहावत उठाओगे और कहोगे कि अत्याचारी कैसे रुक गया। गोल्डन सिटी रुक गई। बहुत अच्छा। अच्छा प्रयास है कि वे इसे अच्छी तरह से आजमाएं। मेरा मतलब है बेबीलोन गोल्डन सिटी यह समझ में आता है, है ना? मासोरेटिक पाठ में शब्द माधव है यह एकमात्र समय है जब यह शब्द पुराने नियम में एकमात्र स्थान पर दिखाई देता है और इसलिए जब आपको ऐसा कुछ मिलता है, तो हम इसे हैपैक्स लेगोमेना कहते हैं

ठीक है? हम अनुमान लगाते हैं कि इस शब्द की तुलना अन्य समान भाषाओं से की जाती है, जैसे कि अरामी, और इस मामले में, अरामी में दहाब शब्द का अर्थ सोना हो सकता है। ठीक है, और यह सोने के लिए हिब्रू शब्द के समान है। लेकिन दूसरी ओर, डेड सी स्क्रॉल यशायाह स्क्रॉल में, शब्द माधव नहीं है, बल्कि महावा है जिसे आप यहाँ देख सकते हैं। यहाँ एक छोटा सा अंतर है हमारे पास एक दलेथ है जिसमें ऊपर की ओर एक सुंदर छोटा नुकीला भाग है, और यहाँ हमारे पास एक रेश है जिसमें अब शीर्ष पर वक्र है मैंने बहुत सी डेड सी स्क्रॉल पांडुलिपियाँ पढ़ी हैं, और मैं आपको बता सकता हूँ कि कुछ लोगों की लिखावट में दलेथ और रेश बिल्कुल एक जैसे दिखते हैं।

आप मूल रूप से अपनी शब्दावली और इस मामले में, राहव शब्द पर निर्णय ले रहे हैं। यह राहाब शब्द से संबंधित है, आप जानते हैं, और इसका अर्थ है घमंडी होना या फूला हुआ होना या खुद से भरा होना। तो, इस मामले में, यह एक अच्छा हिब्रू शब्द है। हम इसे वास्तव में आसानी से समझ सकते हैं। तो कैसे स्वर्ण नगरी समाप्त हो गई, इसके बजाय लगभग सभी आधुनिक अनुवाद कहेंगे कि कैसे घमंडी व्यक्ति सुस्त हो गया या ऐसा कुछ या चला गया या कुछ और, है ना?

तो, मृत सागर स्क्रॉल के बीच, इन बाइबिल पांडुलिपियों के अध्ययन के बड़े क्षेत्रों में से एक वह है जिसे हम पाठ प्रकार कहते हैं, और यह फिर से एक ऐसा क्षेत्र था जिसका अध्ययन मृत सागर स्क्रॉल की खोज से पहले ही किया जा रहा था। लेकिन, अब, हमें डेटा मिला है, ऐसा डेटा जैसा कि हमारे पास पहले कभी नहीं था, है ना? मसोरेटिक टेक्स्ट, सेप्टुआजेंट और अन्य पुराने नियम के अनुवाद कभी-कभी अलग-अलग परंपराओं को दर्शाते हैं।

मुझे इसमें नया नियम भी जोड़ देना चाहिए क्योंकि जब नया नियम पुराने नियम से उद्धरण देता है तो अक्सर एक उद्धरण सेप्टुआजेंट से उद्धृत होता है और कभी-कभी हम नहीं जानते कि यह क्या उद्धृत कर रहा है, आप एक अच्छा सा प्रसिद्ध उदाहरण जानते हैं, उसे नाज़रीन कहा जाएगा, ठीक है हमें कोई पता नहीं है कि यह कहाँ से आता है, आप जानते हैं, हम नहीं जानते कि वे इसे कहाँ से उद्धृत कर रहे थे, जाहिर तौर पर उन्होंने इसे अपनी बाइबिल में कहीं पाया था, लेकिन हम नहीं जानते कि यह कहाँ था लेकिन फिर भी, हमें सेप्टुआजेंट का मसोरेटिक पाठ मिला।

हमें पुराने नियम के ये अन्य अनुवाद मिले जो विभिन्न परंपराओं को दर्शाते हैं। कभी-कभी, कुछ स्क्रॉल पांडुलिपियाँ अक्सर मसोरेटिक संस्करण के समान प्रतीत होती हैं। वास्तव में, कभी-कभी वे हिब्रू संस्करण का प्रतिनिधित्व करते प्रतीत होते हैं जो सेप्टुआजेंट का आधार है। अब सेप्टुआजेंट मसोरेटिक पाठ से इतना अलग नहीं है? लेकिन कभी-कभी महत्वपूर्ण अंतर होते हैं। इसलिए कभी-कभी, जब हम मृत सागर स्क्रॉल को देखते हैं तो हम देख सकते हैं कि यह कुछ चीजों और अनुवादों के सेप्टुआजेंट रीडिंग का आधार था। कभी-कभी, वे भजन 22 के मामले में नए नियम के उद्धरणों का समर्थन करते प्रतीत होते हैं, जिसे मैं आपको यहाँ वास्तव में जल्दी से दिखाऊंगा मसोरेटिक पाठ में भजन 22:16 हम एक शेर की तरह पढ़ते हैं का'री मेरे हाथ और पैर हैं ठीक है, यह बहुत अधिक समझ में नहीं आता है, है ना? खैर, नए नियम में, यह श्लोक, भजन 22, नए नियम में एक भविष्यवाणी भजन के रूप में माना जाता है, और यह श्लोक यीशु के क्रूस पर चढ़ने की कल्पना पर लागू होता है, और हमें बताया गया है कि उन्होंने मेरे हाथ और पैर छेद दिए हैं। ठीक है। अब, छेदा हुआ शब्द का'आरू होगा न कि का'आरी जैसा कि मसोरेटिक पाठ में है।

ठीक है, हम देख सकते हैं कि ऐसा कैसे हो सकता है। क्या हम नहीं देख सकते, है न? खैर, यहाँ एक मामला है जहाँ मृत सागर स्क्रॉल में हम का'री नहीं बल्कि का'आरू पढ़ते हैं, इसलिए मृत सागर स्क्रॉल वास्तव में उस श्लोक के नए नियम के पढ़ने का समर्थन करते हैं।

तो चलिए स्क्रॉल और यहूदी धर्म के बारे में बात करते हैं और यीशु के समय से पहले यहूदी धर्म के बारे में हमारी समझ के साथ-साथ यहूदी धर्म यीशु के समय में नहीं है, तो हम यह बताएँगे कि यह संप्रदाय कौन है जिसके बारे में हम बात कर रहे हैं? इन चीजों को किसने छिपाया? उन्होंने इन चीजों को क्यों छिपाया? क्या वे एक ही समूह थे, या वे कई समूह थे? यह, निश्चित रूप से, \$64,000 प्रश्नों में से एक बन गया है, जिस पर आज भी बहस चल रही है, यहाँ मृत सागर स्क्रॉल की उत्पत्ति के बारे में कई सिद्धांत हैं और, निश्चित रूप से, सबसे आम सिद्धांत और सिद्धांत जो स्क्रॉल की खोज के शुरुआती दिनों में सामने आया था और वास्तव में बहुत पहले प्रसिद्ध

पुरातत्वविद् अलब्राइट द्वारा सुझाया गया था, वह यह है कि स्क्रॉल को एसेन द्वारा लिखा गया था।

खैर, आप जानते हैं, जब आपको छह स्क्रॉल मिलते हैं, तो आप कह सकते हैं कि अरे, देखो, एसेन ने इन छह स्क्रॉल को लिखा था जब आपको 900 स्क्रॉल मिले थे। दूसरी ओर, यह थोड़ा ज्यादा हो रहा है, है ना? खासकर अगर भूमध्यसागरीय दुनिया भर में केवल 4,000 एसेन बिखरे हुए थे। क्या हर आदमी एक लेखक था? कौन जानता है कि भगवान के सभी लोग लेखक थे, है ना? यह विचार कि ये ग्रंथ एसेन के कुमरान में रहने से हैं, मैं कहूंगा कि यह अभी भी स्क्रॉल की उत्पत्ति के रूढ़िवादी सिद्धांत के रूप में है। कुमरान में लेखन सामग्री मिली है, हम जानते हैं कि कुमरान की बस्ती के समय। मैं अपने सिर से ज्यादा में नहीं जाना चाहता क्योंकि मैं जल्द ही एक अति-सिर-से-बात करने वाला पुरातत्वविद् बन जाऊंगा, लेकिन कुमरान की बस्ती के समय, हम जानते हैं कि वहाँ कई अलग-अलग बस्तियाँ थीं।

या शुरू में, यह संभवतः हसमोनियन साम्राज्य के समय एक किले के रूप में बनाया गया था। अंततः, इसे छोड़ दिया गया, और संभवतः उस समय जब स्क्रॉल छिपाए जा रहे थे, यह उन लोगों के लिए एक छोटी सी बस्ती के रूप में काम कर रहा था, जिनके शरीर वास्तव में उस मंच या मेसा के पास दफनाए गए थे जहाँ समुदाय था। लेकिन एक बस्ती, कुमरान के ये खंडहर, बहुत जल्दी स्क्रॉल के साथ जुड़ गए क्योंकि पुरातत्वविद् वहाँ ऊपर खुदाई कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आह, यह वह जगह रही होगी जहाँ स्क्रॉल लिखे गए होंगे, और इसके पीछे की सोच का एक हिस्सा यह है कि आपने गुफा चार की तस्वीर देखी होगी। आपने वह तस्वीर देखी होगी और उस जगह पर जाने का एकमात्र तरीका ऊपर से नीचे जाना होगा। और इसलिए उस पठार के ऊपर वह बस्ती थी और इसलिए ऊपर की उस बस्ती और नीचे की उस गुफा और वहाँ छिपे उन सभी स्क्रॉल के बीच यह संबंध बनाना स्वाभाविक था। इसलिए,

रूढ़िवादी सिद्धांत यह है कि आपके पास कुमरान में रात-दिन काम करने वाले बहुत से लेखक थे जो इन ग्रंथों को लिख रहे थे। इस सिद्धांत का सबसे शुद्ध रूप यह है कि अब लगभग कोई भी इस पर विश्वास नहीं करता। आप जानते हैं कि आजकल बहुत से लोग इस निष्कर्ष पर पहुँच गए हैं कि, नहीं, ये सभी ग्रंथ कुमरान में नहीं लिखे जा सकते थे, इसलिए संभवतः उनमें से बहुत से अन्य स्थानों पर लिखे गए थे, अन्य स्थानों से उनकी प्रतिलिपि बनाई गई थी, शायद फिर उन्हें कुमरान लाया गया और उन्होंने एस्सेन्स के पुस्तकालय के रूप में कार्य किया क्योंकि उनका मानना है कि वे वहाँ थे और उन स्क्रॉल को तब गुफाओं में छिपा दिया गया था, संभवतः महान विद्रोह के समय लगभग 67 से 70 ईस्वी या 74 के आसपास यदि आप मसादा के विनाश तक की गणना करते हैं।

एक अन्य सिद्धांत, और यह थोड़ा अधिक सूक्ष्म है, यह है कि स्क्रॉल एस्सेन्स द्वारा नहीं, बल्कि एक एस्सेन्स जैसे संप्रदाय द्वारा लिखे गए थे। और यह मुझे थोड़ा अधिक सहज लगता है। जिन कारणों से मुझे इस विचार से समस्या है कि स्क्रॉल एस्सेन्स द्वारा लिखे गए थे,

मृत सागर स्क्रॉल में कभी भी ऐसा कुछ नहीं मिलता जिसका अनुवाद एसेन के रूप में किया जा सके। यदि एसेन शब्द, जैसा कि मैंने सुझाया, क्रिया असाह, बनाना, या करना, या उस तरह की

किसी चीज़ से आया हो, तब भी हम उन्हें किसी भी तरह से खुद का वर्णन करने के लिए उस शब्द का उपयोग करते हुए नहीं पाते हैं। वे खुद को याचा, समुदाय कहते हैं।

उन्होंने कभी भी ऐसा कोई शब्द इस्तेमाल नहीं किया जो एसेन जैसा लगे। दूसरे शब्दों में, उन्होंने खुद को एसेन के रूप में नहीं पहचाना। किसी और ने उन्हें एसेन के रूप में पहचाना होगा, लेकिन ऐसा कोई तरीका नहीं है जिससे इन लोगों ने खुद को एसेन के रूप में पहचाना हो।

तो, मुझे लगता है कि यही मेरा मुख्य मुद्दा है। एक एसेन-जैसा संप्रदाय? खैर, यह निश्चित रूप से एक संभावना है। एक अन्य सिद्धांत यह है कि स्कॉल किसी अन्य यहूदी संप्रदाय द्वारा लिखे गए थे और फिर कुमरान के पास छिपाए गए थे, और इस संप्रदाय की पहचान के बारे में काफी बहस हुई है।

यह विचार कि ये ग्रंथ कट्टरपंथियों द्वारा लिखे गए थे, बहुत पहले सेसिल रोथ नामक एक व्यक्ति द्वारा प्रस्तावित किया गया था। सेसिल रोथ का मानना था कि ये ग्रंथ कट्टरपंथियों द्वारा यरूशलेम में लिखे गए थे और वहीं एकत्र किए गए थे। यदि आप द वॉर स्कॉल पढ़ते हैं, तो आप देख सकते हैं कि सेसिल रोथ को अपने विचार कहाँ से मिले।

यह विचार कि ये लोग रोमियों के खिलाफ होने वाली इस लड़ाई का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। अब, यह कट्टरपंथियों जैसा लगता है। इसलिए, सेसिल रोथ का मानना था कि ये कट्टरपंथियों द्वारा लिखे गए थे।

माइकल वाइज ने हाल के वर्षों में उस सिद्धांत को पुनर्जीवित किया है और फिर से उस पर ध्यान आकर्षित किया है। लेकिन यह वास्तव में अधिकांश विद्वानों के बीच व्यापक रूप से स्वीकार नहीं किया गया है। एक अन्य विद्वान ने प्रस्ताव दिया है कि यह संप्रदाय वास्तव में सद्दूकी था।

और इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि वह अपने विचार को स्कॉल में दर्शाए गए सांप्रदायिक प्रथाओं पर आधारित करता है। और वह जो करता है वह यह है कि वह इन चीजों, इन मृत सागर स्कॉल और कुछ प्रथाओं की तुलना मिशनाह और तल्मूड में सद्दूकियों द्वारा बताई गई प्रथाओं से करता है। और वह, एक यहूदी विद्वान होने के नाते, रूढ़िवादिता की तुलना में रूढ़िवादी व्यवहार पर अधिक जोर देता है।

और इसलिए, वह कहता है कि स्कॉल संप्रदाय सद्दूकी रहा होगा। खैर, मैं वास्तव में एक सेमिनार में था जहाँ हमने उस सिद्धांत की खूबियों पर बहस की थी। और मैं विद्वान का बहुत अधिक अपमान नहीं करना चाहता क्योंकि वह एक अच्छा विद्वान है।

लेकिन हमें ऐसा लगा कि डेड सी स्कॉल के बारे में उनकी कुछ रीडिंग शायद सही नहीं थीं। और यहां तक कि मिशनाह के बारे में उनकी कुछ रीडिंग भी शायद सही नहीं रही होगी। लेकिन किसी भी दर पर, यह बात ज़्यादा लोगों को पसंद नहीं आई, सिवाय उन लोगों के जो आम तौर पर यहूदी विद्वानों में से हैं।

आप इसे थोड़ा इधर-उधर फेंकते हुए देखेंगे। लेकिन व्यावहारिक रूप से सभी मान्यताएँ जो सदूकियों से जुड़ी हैं, जैसे कि स्वर्गदूतों से जुड़ी मान्यताएँ। हम डेड सी स्क्रॉल में स्वर्गदूतों के बारे में सभी तरह की बातें देखते हैं, जो सभी तरह की चीज़ें करते हैं।

सदूकियों को विश्वास नहीं था कि स्वर्गदूत हमारे जीवन में शामिल होते हैं, है न? मृत्यु के बाद जीवन के विचार जैसी चीज़ें। कम से कम एक स्क्रॉल है, शायद कुछ और भी, जो मृत्यु के बाद जीवन और मृतकों के पुनरुत्थान के बारे में बात करते हैं। स्पष्ट रूप से, मृत सागर स्क्रॉल संप्रदाय ने फरीसियों की तरह मौखिक परंपराओं पर बहुत अधिक भरोसा किया।

इसलिए, सदूकियों को परिभाषित करने वाले इन मुख्य मुद्दों में से बहुत से में, संप्रदाय अलग है। और मेरे हिसाब से, डेड सी स्क्रॉल की मान्यताओं और उनके कुछ विश्वासों पर ग्रंथों को सदूकियों के बीच पाए जाने वाले विश्वासों के साथ मिलाने का कोई तरीका नहीं है। उल्लेखनीय रूप से, कई लोगों ने यह तर्क देने की कोशिश की है कि डेड सी स्क्रॉल प्रारंभिक ईसाई आंदोलन का प्रतिनिधित्व करते हैं।

इनमें बारबरा थुरिंग जैसे लोग शामिल हैं, जिन्होंने बहुत समय पहले एक किताब लिखकर ढेर सारा पैसा कमाया था, रॉबर्ट ईसेनमैन, बैगेंट और ली, जो लेखन के लिए प्रसिद्ध थे; मुझे लगता है कि उनकी किताब होली ब्लड, होली ग्रेल थी, जिसकी बहुत सारी प्रतियां बिकीं। लेकिन इनमें से कई लोगों ने वास्तव में उस बात का लाभ उठाया है जिसे मैं कहूंगा कि स्क्रॉल की उत्पत्ति का सबसे असंभावित सिद्धांत माना जाना चाहिए, लेकिन यह वास्तव में बहुत से लोगों का ध्यान आकर्षित करता है। इस स्थिति की ताकत क्या है? खैर, डेड सी स्क्रॉल में, आपके पास धार्मिकता का यह शिक्षक है जिसे एक दुष्ट पुजारी द्वारा सताया गया था।

अरे, ईसाई धर्म, है न? यीशु को दुष्ट महायाजक ने सताया था। आप भी यही सोचते हैं। आपको भी स्वर्गदूतों और आत्माओं से ऐसी ही चिंता है।

फिर कुछ ऐसे वाक्यांश हैं जैसे प्रकाश और अंधकार, जो हमें जॉन की पुस्तक में और नए नियम में अन्य स्थानों पर मिलते हैं। नई वाचा उन वाक्यांशों में से एक है जिसका वे उपयोग करते हैं। बेशक, यह यिर्मयाह की पुस्तक से आता है, लेकिन हे।

समुदाय। और इसलिए, कई लोगों ने ईसाई धर्म और डेड सी स्क्रॉल संप्रदाय के बीच इन छोटी समानताओं का उपयोग किया है और निर्धारित किया है कि डेड सी स्क्रॉल संप्रदाय ईसाईयों, प्रारंभिक ईसाई आंदोलन से संबंधित रहा होगा। और यह, निश्चित रूप से, सेंट पॉल द्वारा ईसाई आंदोलन को पूरी तरह से फिर से बनाने और पॉल के अधिक स्वादिष्ट संस्करण में फिर से बनाने से पहले की बात है।

इस सिद्धांत की कमजोरी यह है कि डेड सी स्क्रॉल में कहीं भी जीसस नाम का कोई व्यक्ति नहीं है। न जीसस, न याहोशुआ, न येशुआ, इनमें से कुछ भी नहीं। इसलिए, जीसस का कहीं भी उल्लेख नहीं है।

शिक्षक को कभी किसी के पापों का प्रायश्चित्त करने के लिए नहीं कहा जाता। फिर डेड सी स्क्रॉल की उग्रता के बारे में पूरी बात है। यीशु के पास आपके बारे में यह अद्भुत बात थी। आपने अतीत में यह कहते सुना होगा: अपने पड़ोसियों से प्यार करो और अपने दुश्मनों से नफरत करो, लेकिन मैं तुमसे कहता हूँ, अपने दुश्मनों से प्यार करो।

आपको यह कथन डेड सी स्क्रॉल में कहीं नहीं मिलेगा। वास्तव में, समुदाय का नियम, वह आधारभूत दस्तावेज़, कहता है कि आपको प्रतिशोध के दिन तक अंधकार के पुत्रों से पूर्ण घृणा करनी चाहिए। वास्तव में, कुछ लोगों ने सुझाव दिया है कि शायद यीशु के शब्द उन लोगों के लिए थे जो उस डेड सी संप्रदाय की ओर आकर्षित हुए थे, चाहे वे कोई भी हों।

और फिर एक साधारण तथ्य यह है कि स्क्रॉल बहुत पहले के हैं। वे यीशु के समय से कम से कम 100 साल पहले और संभवतः 150 साल से भी पहले उत्पन्न हुए थे। इसलिए, हमारे पास यहाँ कई अलग-अलग संभावनाएँ हैं।

एक सिद्धांत जो प्रस्तावित किया गया था जो कुछ समय के लिए लोकप्रिय था और अब अपनी गति खो चुका है, वह यह था कि स्क्रॉल किसी विशेष यहूदी संप्रदाय द्वारा नहीं लिखे गए थे, बल्कि सभी अलग-अलग यहूदी संप्रदायों का प्रतिनिधित्व करते हैं। यह बिल्कुल स्पष्ट है कि डेड सी स्क्रॉल में कई अलग-अलग दृष्टिकोण दर्शाए गए हैं, लेकिन यह भी बिल्कुल स्पष्ट है कि ग्रंथों का एक मूल है जो एक ही विचारधारा का प्रतिनिधित्व करता है। इसलिए, यह विचार कि इन ग्रंथों के पीछे किसी तरह से एक ही संप्रदाय था, मुझे निर्विवाद लगता है।

वे कौन थे? मैं सिर्फ़ ऐसेन जैसी बात पर ही टिकूंगा, ठीक है? एक संप्रदाय अपने बारे में क्या कहता है? खैर, यहाँ कुछ अलग-अलग संस्करण हैं। हमारे पास दमिश्क दस्तावेज़ है, जिसके बारे में मैंने पहले बात की थी। और हमारे पास सामुदायिक नियम है।

समूह का कहना है कि वे क्रोध के युग में ईश्वर की खोज के लिए एक साथ आए थे। क्रोध का युग क्या था? संभवतः हसमोनियों का समय। सबसे अधिक संभावना है कि वे यहाँ उसी के बारे में बात कर रहे हैं।

जब वे 40 साल तक परमेश्वर की खोज करते रहे, तो परमेश्वर ने धार्मिकता के शिक्षक को खड़ा किया, जिसने उन्हें सच्चाई में मार्गदर्शन दिया। अब शिक्षक, आप कहते हैं, एक दुष्ट पुजारी द्वारा सताया गया था, और उसे भागना पड़ा। और वह अपने अनुयायियों के साथ दमिश्क भाग गया।

और यहाँ फिर से, इस बारे में सवाल उठे हैं कि क्या इसका शाब्दिक अर्थ दमिश्क है, जैसे कि दमिश्क शहर, जो आज भी मौजूद है, या यह किसी अन्य स्थान का प्रतीकात्मक वर्णन है। और बहुत से लोगों ने दावा किया है कि इसका वास्तव में मतलब कुमरान है। अब, कुमरान दमिश्क से बहुत दूर है और दमिश्क जैसा कुछ भी नहीं है, लेकिन हे, आप जानते हैं, जो भी आपके लिए काम करता है, है ना? तब संप्रदाय दमिश्क के जंगल में रहता था।

अब, यहाँ फिर से, आप कहते हैं, आह, जंगल। क्या इसका मतलब रेगिस्तान के बीच में या कुछ और नहीं है? खैर, जरूरी नहीं है क्योंकि ये लोग जंगल को किसी भी ऐसी जगह के रूप में सोचते

थे जो आध्यात्मिक रूप से उनका नहीं था। इसलिए, वे प्रतिशोध के दिन आने तक दमिश्क के जंगल में रहते थे, जो तब था जब वे अधर्मियों के खिलाफ उठने वाले थे।

और यह धार्मिकता के शिक्षक की मृत्यु के 40 साल बाद हुआ। इसलिए, यह दिलचस्प है। और फिर, मुझे एफएफ ब्रूस को अपना श्रेय देना होगा, जो एक अद्भुत विद्वान थे।

एफएफ ब्रूस ने यहां कुछ गणित किया और कुछ संख्याएं प्रदान कीं और महसूस किया कि उनका कालक्रम वास्तव में डैनियल की पुस्तक के 70-सप्ताह के कालक्रम पर आधारित था। तो, एक बार फिर, हम देखते हैं कि स्कॉल संप्रदाय डैनियल की पुस्तक के प्रति बहुत अधिक कृतज्ञ थे और वे सोच रहे थे कि वे अलग क्यों हो रहे हैं? और यहां मैं हमारा ध्यान 4QMMT की ओर वापस ला रहा हूं। आइए इसे यहां संक्षिप्त रखें।

4QMMT, यह एक भाग है। यह 4QMMT के सबसे बड़े भागों में से एक है। पाठ बहुत ही खंडित है।

यह दो अलग-अलग पांडुलिपियों में मौजूद है और हम इसे जितना संभव हो सके उतना एक साथ रखने की कोशिश करते हैं क्योंकि हम जानते हैं कि यह एक महत्वपूर्ण पाठ था। यह बिल्कुल सही है। जाहिर है, यह एक पत्र था।

और एक पांडुलिपि के अंत में, वे बताते हैं कि वे जिस किसी को भी यह पत्र लिख रहे हैं, उसके प्रति वे बहुत ही विनम्र हैं। हम आपको यह इसलिए लिख रहे हैं क्योंकि हम जानते हैं कि आप एक महान व्यक्ति हैं। आप वही करना चाहते हैं जो सही है।

आपके पास वो बदलाव करने की शक्ति है जिसकी हमें ज़रूरत है। लेकिन डेविड के बारे में सोचें और पुराने ज़माने के महान राजाओं के बारे में सोचें और देखें कि उन्होंने कैसे एक स्थायी विरासत बनाई। आप भी एक महान विरासत बना सकते हैं अगर आप वो काम करेंगे जो हम आपको करने के लिए कहते हैं।

यह पत्र किसको लिखा गया था? इस पर बहुत बहस हुई है। बहुत से लोगों को लगता है कि यह किसी हसमोनियन को लिखा गया था। मुझे ऐसा नहीं लगता।

ये लोग हसमोनियन लोगों को पसंद नहीं करते थे। मेरा संदेह है कि यह पत्र वास्तव में बहुत बाद का है, जितना कि अधिकांश लोग सोचते हैं, और यह संभवतः हेरोदेस के उत्तराधिकारियों में से किसी एक को लिखा गया था, खुद हेरोदेस को नहीं क्योंकि कोई भी हेरोदेस को पसंद नहीं करता था, बल्कि उसके उत्तराधिकारियों में से एक, उसके वंशजों में से एक को जिसे उससे अधिक धर्मपरायण माना जाता था। वैसे भी, इसमें क्या लिखा है? यह सौर और चंद्र कैलेंडर के बीच के इस अंतर से शुरू होता है।

चंद्र कैलेंडर चंद्रमा के अवलोकन पर आधारित है, और यह कृषि समाजों के लिए एक अद्भुत बात है क्योंकि आप जो कर सकते हैं वह यह है कि आप रात में चंद्रमा को देख सकते हैं, और यदि यह पूर्णिमा है, तो आप कहते हैं, आह, यह फसलों को बाजार में ले जाने या जो भी हो, का

समय है। यदि यह अमावस्या है, तो आप कहते हैं, अमावस्या, नया महीना। और आप भाषा में भी यहाँ संबंध देख सकते हैं, है न? क्योंकि चंद्रमा शब्द महीने शब्द के समान मूल से आता है और यही बात हिब्रू में भी सत्य है।

इसलिए अक्सर, ये कृषि समाज चंद्रमा के चरणों के इर्द-गिर्द अपना जीवन बनाते थे। इसलिए, आपके पास प्रत्येक महीना है और मिशनाह में यह सवाल है कि वे किस शहर में नया चाँद मनाते हैं और फिर वे घोषणा करते हैं कि महीना शुरू हो गया है और इस तरह वे तय करते हैं कि उनके अलग-अलग त्यौहार कब आएंगे। चंद्र कैलेंडर के साथ एक समस्या है, और वह समस्या यह है कि चंद्र वर्ष वास्तव में सौर वर्ष से छोटा होता है।

सौर वर्ष, निश्चित रूप से, वह समय है जो पृथ्वी को सूर्य के चारों ओर चक्कर लगाने में लगता है। और इसलिए इस तथ्य के साथ समस्या यह है कि चंद्र वर्ष छोटा है, प्रत्येक वर्ष जो बीतता है, यदि आप केवल चंद्र महीनों से गिन रहे हैं, ठीक है, 12 चंद्र महीने, यह एक वर्ष है, लेकिन अब आपका वर्ष सौर वर्ष से छोटा है और आपके पास अभी भी अधिक वर्ष शेष हैं। और इसलिए, ऐसा होता है कि आपके त्यौहार जो, उदाहरण के लिए, 12वें महीने में मनाए जाते हैं, या ऐसा कुछ, वर्ष में आगे और पीछे बढ़ते रहते हैं।

और इसलिए, इससे पहले कि आप इसे समझें, यदि आप इस बारे में कुछ नहीं करते हैं, तो आप सर्दियों के बीच में अपने वसंत फसल उत्सव मना रहे होंगे। उन्होंने जो किया, वह था, उन्होंने इंटरकैलेशन नामक एक प्रक्रिया का उपयोग किया, जहां हर सात साल में दो बार वे कैलेंडर में एक अतिरिक्त महीना जोड़ते थे। तो, आपके पास पहला महीना होगा और आपके पास 12 महीने होंगे और फिर कुछ साल आपके पास लीप वर्ष होगा जहां आपके पास एक पूरा अतिरिक्त महीना होगा।

बेशक, आज भी हमारे पास लीप वर्ष हैं, लेकिन हमारे लीप वर्ष पूरे महीने के बजाय सिर्फ एक दिन के होते हैं। वैसे भी, डेड सी स्क्रॉल समुदाय और उनके समर्थक या जो लोग वास्तव में उनसे पहले थे, जिन्होंने भी जुबलीज़ की पुस्तक लिखी, हम नहीं जानते कि जुबलीज़ की पुस्तक किसने लिखी, लेकिन जुबलीज़ की पुस्तक लिखने वाले व्यक्ति ने कहा, गलत, गलत, गलत, गलत, गलत। यह हमेशा से ईश्वर का इरादा था कि हम सौर कैलेंडर का उपयोग करें।

और इसलिए, डेड सी स्क्रॉल समुदाय ने यह कहकर शुरुआत की, यही आपका कैलेंडर होना चाहिए। और उनके पास 4QMMT में एक अच्छी लंबी सूची थी जिसमें बताया गया था कि प्रत्येक त्यौहार कब मनाया जाएगा, वे कहाँ पड़ेंगे, उनके सब्बाथ कहाँ होंगे, आदि, आदि, सौर कैलेंडर के बजाय चंद्र कैलेंडर पर आधारित। यह उनके लिए एक बड़ी बात थी क्योंकि सवाल यह है कि अगर वे सही दिन पर प्रायश्चित्त दिवस की रस्म नहीं कर रहे हैं, तो क्या यह काम करता है? डेड सी स्क्रॉल संप्रदाय कहेगा, नहीं, यह काम नहीं करता।

अगर आप इसे उस दिन नहीं कर रहे हैं जिस दिन आपको इसे करना चाहिए, जिस दिन भगवान ने आपको इसे करने का आदेश दिया है, तो पूरा अनुष्ठान निरर्थक है। और इसने लोगों के पापों, लोगों के अपराध को दूर नहीं किया है। इसलिए, यह उनके लिए बहुत महत्वपूर्ण मुद्दा था।

दूसरा मुद्दा पुजारियों की अनैतिकता का था। और अनैतिकता से उनका मतलब था कि वे कानून का पालन उस तरह से नहीं कर रहे थे जिस तरह से उन्हें लगता था कि उन्हें कानून का पालन करना चाहिए। मैंने पहले ही हाथ धोने के मुद्दे पर बात की थी, यह तथ्य कि उन्हें लगा कि पुजारी अपने हाथ गलत तरीके से धो रहे थे।

लेकिन यह तो बस समस्या की शुरुआत थी। अन्य मुद्दे यह थे कि पुजारी अपने कुत्तों को मंदिर के परिसर में आने दे रहे थे। और उनका कहना है कि कुत्ते बलि के मांस को पकड़ रहे थे और हड्डियाँ खा रहे थे और बलि के मांस को खा रहे थे।

और यह, ज़ाहिर है, इन लोगों के लिए पवित्र चीज़ों को कुत्तों के सामने फेंकने जैसा है। नहीं, आप ऐसा नहीं कर सकते। विदेशियों के साथ विवाह करना।

बड़ा, बुरा, नहीं। इन लोगों के लिए ऐसा मत करो। और फिर, यह जुबली की किताब में वापस जाता है।

अन्य बातें जो बछिया के लिए राख के उपयोग के बारे में थीं, लाल बछिया की रस्म के लिए। ये सभी कानून के छोटे, प्रतीत होने वाले तुच्छ बिंदु हैं, लेकिन उन सभी के लिए बहुत, बहुत महत्वपूर्ण हैं। विवाह कानून।

आप किससे शादी कर सकते हैं, कब शादी कर सकते हैं, किसे तलाक दे सकते हैं, इन सभी बातों पर भी उन्होंने चर्चा की।

मैंने पहले ही हाथ धोने का जिक्र किया है। इसके अलावा, शरीर को धोना भी एक और मुद्दा था जिसे उन्होंने उठाया। इसलिए, बहुत संक्षेप में, मैं यहाँ थोड़ा सा संक्षेप में बताने की कोशिश करूँगा।

मैंने इस व्याख्यान की शुरुआत में बताया कि कैसे एक बाइबल विद्वान ने कहा कि उसे ऐसा कुछ भी नहीं सूझ रहा है जो डेड सी स्क्रॉल ने बाइबल अध्ययन के बारे में हमारे ज्ञान में वास्तव में मदद की हो। खैर, बेशक, हम जानते हैं कि डेड सी स्क्रॉल की खोज ने न केवल हमारे पास पहले से मौजूद पाठ को मान्य किया है, बल्कि इसने हमारे पास मौजूद पाठ को कई तरीकों से बेहतर भी बनाया है क्योंकि हमने डेड सी स्क्रॉल की तुलना कुछ प्राचीन पांडुलिपियों से की है। कुछ अन्य चीज़ें जो हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण रही हैं, वे हैं डेड सी स्क्रॉल, आप कह सकते हैं, जिन्होंने हमारी उस तस्वीर को पूरी तरह से धुंधला कर दिया है जब बाइबल उस रूप में आई जिसे हम विहित मानते हैं, कम से कम पुराना नियम।

जोसेफस ने एपियन के खिलाफ अपने काम में यह स्पष्ट रूप से कहा है कि यहूदियों के पास धर्मग्रंथों का एक निश्चित कैनन था। मुझे नहीं लगता कि विद्वानों द्वारा इस पर पर्याप्त जोर दिया गया है क्योंकि हम में से बहुत से लोग अपने सिर खुजलाते हुए बैठे हैं और कह रहे हैं, ओह, हमें नहीं पता कि कैनन कब समाप्त हुआ। हम जानते हैं कि यह कम से कम 90 ईस्वी तक समाप्त हो

गया था क्योंकि जोसेफस कहते हैं, आप यूनानियों के विपरीत, आप जानते हैं, आप यूनानियों के पास सभी प्रकार की पवित्र पुस्तकें हैं, और वे सभी एक दूसरे का खंडन करती हैं।

लेकिन हम यहूदियों के लिए नहीं, नहीं सर। हमारे पास एक पवित्र कैनन है जिसमें केवल 22 पुस्तकें हैं। गणित मत लगाइए।

लेकिन वैसे भी, इसमें केवल 22 पुस्तकें हैं। यदि आप याद रखें कि 12 छोटे भविष्यद्वक्ताओं को एक पुस्तक माना जाता है तो यह मददगार होगा। लेकिन वैसे भी, 22 पुस्तकें हैं, और वे कभी एक दूसरे का खंडन नहीं करती हैं।

तो, यह जोसेफस है, 90 ई. वह सोचता है, और वह आगे कहता है, कि कोई भी उन पुस्तकों में कुछ भी जोड़ने का सपना नहीं देखेगा जिन्हें हम पवित्र मानते हैं। तो, आप मिशना में जाते हैं, और आप देखते हैं कि मिशना में वे अभी भी इस बारे में बात कर रहे हैं कि सोलोमन के गीत को शास्त्र का हिस्सा माना जाना चाहिए या नहीं, और सभोपदेशक को शास्त्र का हिस्सा माना जाना चाहिए या नहीं, और एस्तेर को शास्त्र का हिस्सा माना जाना चाहिए या नहीं। मेरी धारणा है कि उस समय ये सभी तर्क वास्तव में सैद्धांतिक थे क्योंकि जोसेफस इतने अडिग हैं कि उनके अनुसार, 90 से 100 ई. में उनके दिनों तक यह प्रश्न हल हो चुका था लेकिन यह प्रश्न कि यह कब हल हुआ, हमारे लिए बड़ा प्रश्न है क्योंकि हम नहीं जानते।

हम यह जानते हैं कि कुछ ऐसी पुस्तकें जिन्हें हम धर्मग्रंथ नहीं मानते, जैसे कि जुबली, कुछ डेड सी स्क्रॉल में उद्धृत की गई हैं जैसे कि वे धर्मग्रंथ हों। और एक पुस्तक जिसे हम धर्मग्रंथ जानते हैं, एस्तेर की पुस्तक, निश्चित रूप से डेड सी संप्रदाय द्वारा धर्मग्रंथ के रूप में नहीं मानी गई थी। इसलिए ऐसा लगता है कि जब इन स्क्रॉल को इकट्ठा करके एक साथ लाया गया, तो कम से कम इस समूह के बीच कुछ सवाल उठे कि क्या बाइबल माना जाना चाहिए और क्या नहीं।

जैसा कि मैंने कहा, इससे कैनन के बारे में और भी अधिक अस्पष्टता पैदा हो गई है। दूसरी ओर, ऐसा लगता है कि इस पर बहुत सहमति थी। अधिकांश भाग के लिए, जो कुछ भी हम शास्त्र के रूप में देखते हैं, उन्होंने भी उसे शास्त्र के रूप में देखा, एस्तेर के संभावित अपवाद के साथ।

तो, जैसा कि हम जानते हैं, बाइबिल लगभग 150 ईसा पूर्व तक अस्तित्व में थी, हिब्रू बाइबिल। कुछ सवाल अभी भी बने हुए थे। लेकिन अधिकांश भाग के लिए, अभी भी काफी हद तक सुलझाए जाने के करीब हैं।

डेड सी स्क्रॉल में इस्तेमाल की गई बाइबिल की व्याख्या की विधि, मैंने पहले ही इसके कुछ उदाहरण बताए हैं, कि वे कैसे एक पाठ को लेते हैं जिसे भविष्यसूचक माना जा सकता है, और वे कुछ ऐसा लेते हैं, उदाहरण के लिए, उस हबक्कूक टिप्पणी में जिसका मैंने उल्लेख किया है। हबक्कूक की पुस्तक बेबीलोनियों के आने के बारे में है जिसका उपयोग परमेश्वर के लोगों के खिलाफ न्याय के साधन के रूप में किया जाएगा। खैर, डेड सी स्क्रॉल संप्रदाय द्वारा दी गई व्याख्या में, यह बेबीलोनियों का नहीं है।

नहीं, वे बेबीलोनवासी वास्तव में रोमन हैं। इसलिए, वे उस पाठ को लेते हैं और उस पाठ के शब्दों को अपनी स्थिति पर लागू करते हैं जिसका वे अपने समय में सामना कर रहे हैं। और हम उन्हें बार-बार ऐसा करते हुए देखते हैं।

कुछ ग्रंथ, कुछ भविष्यवाणियाँ जो मूल रूप से राष्ट्र या इस तरह की किसी चीज़ का उल्लेख कर रही थीं, वे धार्मिकता के शिक्षक जैसे व्यक्ति पर लागू होती हैं। अब, कभी-कभी, जब हम नया नियम पढ़ते हैं, तो हमें एहसास होता है कि जाहिर है, इन लोगों ने बाइबल को पढ़ना नहीं सीखा है क्योंकि वे पाठ के साथ ऐसी चीज़ें करते हैं जिन्हें हम कभी भी वैध नहीं मानेंगे। वे पाठ को यीशु पर लागू करते हैं, जिसका वास्तव में यीशु से कोई लेना-देना नहीं था।

लेकिन अब डेड सी स्क्रॉल और उसमें पाए जाने वाले व्याख्याओं के साथ, हम देख सकते हैं कि न्यू टेस्टामेंट के लेखकों ने जो किया वह उनके समय और युग में पूरी तरह से वैध माना जाता था, कि वे नींव पहले से ही रखी गई थी, और वे उस मिसाल का अनुसरण कर रहे थे जिसे हम डेड सी स्क्रॉल में देखते हैं। स्क्रॉल संप्रदाय अपने राजकुमार के नेतृत्व में रोमनों के खिलाफ आसन्न युद्ध की उम्मीद में रहता था। और यह उस समय के प्रचलित रवैये को प्रकट करता है।

जब आप रोमनों के समय में जाते हैं, तो यहूदिया कई कारणों से एक तरह से उबलता हुआ बर्तन है। एक कारण यह है कि मैंने कई जगहों पर तर्क दिया है, क्या आपने कभी यह कहावत सुनी है, अगर आप एक लड़के को हथौड़ा देते हैं, तो वह पाएगा कि हर चीज़ में कील ठोकने की जरूरत है, आप जानते हैं? खैर, मैंने अपना शोध प्रबंध डैनियल की पुस्तक पर लिखा था, और इसलिए मैं डैनियल को हर जगह देखता हूँ। लेकिन मैं इस अवधि में डैनियल पर बहुत अधिक प्रभाव और ध्यान देखता हूँ, और यह कि इन लोगों का मानना था, मुख्य रूप से डैनियल की पुस्तक के पढ़ने के आधार पर, कि वे दुनिया के अंत के कगार पर रह रहे थे, कम से कम दुनिया के अंत के रूप में जैसा कि वे जानते थे।

उन्हें इस बात से अच्छा लगा क्योंकि आने वाला संसार बेहतर होने वाला था क्योंकि वे प्रभारी होने वाले थे। तो, किसी भी दर पर, वही मानसिकता, निश्चित रूप से, नए नियम में दिखाई देती है। और वही भावना कि वे अंतिम समय के कगार पर रह रहे हैं, नए नियम के ग्रंथों में मौजूद है।

और फिर कुमरान के एक पाठ में, डेड सी स्क्रॉल में से एक में, हमने पढ़ा था कि कैसे उन्होंने भविष्यवाणी की थी कि धार्मिकता के शिक्षक की मृत्यु के 40 साल बाद प्रतिशोध का दिन आने वाला था। और डेड सी स्क्रॉल में से एक में, इन बाइबिल व्याख्याओं में से एक में, वे कहते हैं, ठीक है, अंत का समय बढ़ा दिया गया है, क्योंकि ईश्वर के रहस्य अज्ञेय हैं। तो, यहाँ ये लोग थे, उन्हें यकीन था कि शिक्षक की मृत्यु के 40 साल बाद, वे रोमनों को नष्ट करने के लिए उठ खड़े होंगे।

मुझे पूरा यकीन है कि समय आ गया था और चला गया था, और वे अभी भी सोच रहे थे कि क्या हुआ था। और उन्होंने कहा, ठीक है, आप जानते हैं, भगवान ने अंतिम समय को बढ़ाया है क्योंकि, आप जानते हैं, भगवान को कौन समझ सकता है? यह मुझे नए नियम की एक निश्चित पुस्तक की याद दिलाता है, जहाँ कोई कहता है, और लोग कह रहे हैं, अरे, उसका वादा कहाँ आ

रहा है? हमने इसे अभी तक क्यों नहीं देखा है? और वह कहता है, क्या आप नहीं जानते, प्रभु के साथ एक दिन एक हजार साल के बराबर होता है, और एक हजार साल एक दिन के बराबर होता है, और प्रभु धैर्य रख रहे हैं क्योंकि वह चाहते हैं कि अधिक लोग पश्चात्ताप कर सकें। इसलिए, ये लोग जो यहाँ एस्केटन और एस्केटन की उम्मीदों के कगार पर रह रहे हैं, वे खुद को निराश पा रहे हैं और उन्हें अपना गणित और अपनी गणनाएँ थोड़ी-बहुत फिर से करनी पड़ रही हैं।

लेकिन रवैया, प्रत्याशा, मानसिकता, वे सभी तरह की चीजें जो डेड सी स्क्रॉल संप्रदाय की इतनी खासियत थीं, हम शुरुआती चर्च में भी परिलक्षित होते देखते हैं। और इस तरह, हम कह सकते हैं, हाँ, यहाँ कुछ रेखाएँ खींची जा सकती हैं, लेकिन वंशावली की रेखाएँ या कुछ ऐसा नहीं जैसे डेड सी स्क्रॉल संप्रदाय ने ईसाइयों को जन्म दिया, बल्कि सादृश्य की रेखाएँ। हमारे पास एक है जिसे हम सहस्राब्दी संप्रदाय कह सकते हैं; मुझे सहस्राब्दी शब्द पसंद है, वे लोग जो अंत की प्रत्याशा और उम्मीद में जी रहे हैं और इसमें उनकी भूमिका है।

और फिर हमारे पास एक और संप्रदाय है, ईसाइयों का संप्रदाय, जो भी एस्केटन के आने और उसमें अपनी भूमिका की प्रत्याशा में जी रहे हैं। और दोनों समूह इस बात से जूझते हैं कि इसका क्या मतलब है क्योंकि साल बीतते जा रहे हैं और उनका प्रत्याशित अंत नहीं आता है। तो, दिलचस्प चीजें, दिलचस्प समय, इन ग्रंथों को पढ़ने में सक्षम होना, शेल्फ से एक किताब निकालने में सक्षम होना, और इसे खोलने में सक्षम होना, और 2000 साल पहले इन लोगों द्वारा लिखे गए उन सभी अस्पष्ट छोटे शब्दों को देखने में सक्षम होना अद्भुत है।

यह डॉ. एंथनी टोमासिनो और यीशु से पहले यहूदी धर्म पर उनकी शिक्षा है। यह सत्र 11, मृत सागर स्क्रॉल है।